mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-102 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
15 अप्रैल 2025 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

अफगान महिला...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

शेख हसीना ने मुहम्मद यूनुस को दी चेतावनी, कहा- आग से खेलोगे तो जल जाओगे

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व मुख्यनंत्री शेख हसीना ने मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर फिर निशाना साधा है। हसीना ने उन्होंने यूनुस स्वार्थी और आत्मकेंद्रित शख्त बताया। उन्होंने कहा कि यूनुस ने ने सत्ता की भूख में विदेशी ताकतों के साथ मिलकर देश को तबाह करने की साजिश रची। आठ मिनट के अपने वर्चुअल संबोधन में

हसीना ने अबू सईद की हत्या पर भी संदेह जताया, जो एक छात्र प्रदर्शनकारी था।बीते साल भारत आई हसीना ने कुछ दिन पहले बांग्लादेश लौटने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि कोई तो वजह है जिसकी वजह से अल्लाह ने उन्हें जीवित रखा है। इस बीच रविवार को अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए उन्होंने यूनुस पर बांग्लादेश के इतिहास को मिटाने का आरोप लगाया। शेख हसीना ने अपने संबोधन में कहा, ÷बांग्लादेशी स्वतंत्रता आंदोलन के सभी चिह्न मिटाए जा रहे हैं। मुक्ति योद्धाओं (स्वतंत्रता सेनानियों) का अपमान किया जा रहा है। हमने उनकी यादों को जीवित रखने के लिए सभी जिलों में मुक्ति योद्धा परिसर बनाए थे, लेकिन उन्हें जला दिया जा रहा है। क्या यूनुस इसे सही ठहरा पाएंगे?÷ उन्होंने मुख्य सलाहकार को चेतावनी देते हुए कहा, ÷अगर आप आग से खेलेंगे, तो यह आपको भी जला देगी।÷

सिंगापुर में बढ़ रहा भारतीयों का कद, किया बड़ा ऐलान

सिंगापुर (एजेंसी)। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने यहां रहने वाले भारतीयों की सराहना की है। व्यवसाय और उद्योग सहित कई क्षेत्रों में भारतीय समुदाय के लोगों के योगदान को स्वीकारते हुए पीएम वोंग ने कहा कि सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी

(पीएपी) आगामी आम चुनाव में भारतीय समुदाय के लोगों को भी उतारेगी। भारतीय समुदाय के साथ संवाद के दौरान पीएम वोंग ने कहा, ''आप (भारतीय समुदाय) एक छोटा समुदाय हो सकते हैं, लेकिन निश्चित रूप से सिंगापुर में आपका योगदान और आपका प्रभाव बिल्कुल भी छोटा नहीं है।'' 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' अखबार ने वोंग के हवाले से कहा, ''वास्तव में, मैं कहूंगा कि आप पहले से ही सिंगापुर की भावना का प्रतिबिंब हैं। आपकी कहानी सिंगापुर की कहानी है।'' वोंग ने सिंगापुर में व्यापार, उद्योग और सरकार सहित कई क्षेत्रों में देश के लिए भारतीयों के योगदान को सराहा। पीएम वोंग ने कहा कि आगामी चुनाव के लिए पीएपी से नए भारतीय उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा जाएगा। पीएम ने इस बारे में ना तो ज्यादा जानकारी दी और ना ही किसी का नाम बताया। भले ही पीएम वोंग ने किसी का नाम नहीं बताया है लेकिन मीडिया में आई खबरों के अनुसार, हाल में नेताओं के साथ देखे गए नए चेहरों में 'एजेंसी फॉर इंटीग्रेटेड केयर' के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिनेश वासु दास, 'लॉ फर्म टीटो इसाक एंड कंपनी' के प्रबंध भागीदार कवल पाल सिंह, ट्रेड यूनियन में बड़ा चेहरा जगतीश्वरन राजो और भारतीय ऑर्थोपेडिक सर्जन हामिद रजाक शामिल हैं।

'मेरे पास देने के लिए कुछ नहीं, सब बेटी-दामाद को दे दिया'

केरल (एजेंसी)। केरल में 14 अप्रैल सोमवार को मलयालम नव वर्ष मनाया जा रहा है। इसे विशु के नाम से भी जाना जाता है। केरल में आज सुबह से ही कई व्हाट्सएप ग्रुप पर सीएम पिनराई विजयन की फोटो एक क्यूआर कोड के साथ वायरल हो रही है। ये सीएम की फोटो के साथ वाला क्यूआर कोड पूरे केरल में चर्चा का विषय बन गया है। क्यूआर कोड को स्कैन करने पर एक पेज खुलता है। जहां सीएम विजयन कहते हैं, %मेरे पास विशु (मलयालम नव वर्ष) के लिए तुम्हें (आम जनता) देने के लिए कुछ भी नहीं है। मैंने सब कुछ अपनी बेटी और दामाद को दे दिया है।% दावा किया जा रहा है कि ये क्यूआर कोड वाला संदेश केरल में एक करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंच गया है।

वायरल हो रहा क्यूआर कोड किसने बनाया और कहां से इसे सर्कुलेट किया जा रहा है? इस चीज का पता अभी नहीं चल पाया है। लोगों को आशंका है कि ये किसी विपक्षी पार्टी द्वारा ही किया गया है। केरल के सीएम को टार्गेट करते हुए बेटी और दामाद को भी इसमें जोड़ा गया है।

मालूम हो कि पिनरायी विजयन की बेटी वीणा विजयन पर इल्लीगल पेमेंट मामले में SFIO की जांच चल रही है। सीएम विजयन की बेटी वीणा पर बिना कोई काम किए, CMRL नाम की कंपनी से अपनी खुद की कंपनी को 2 करोड़ 70 लाख रुपये दिलाने का आरोप लगा है।

दीपक हड्डी और कैलाश को लगी गोली, दोनों गिरफ्तार

दिल्ली के छावला में क्राइम ब्रांच के साथ दो बदमाशों की मुठभेड़

दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के छावला इलाके में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात क्राइम ब्रांच और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों के पैर में गोली लगी। दोनों को घायल हालत में गिरफ्तार कर लिया गया है। दिल्ली में देर रात क्राइम ब्रांच आरके पुरम की टीम को छावला इलाके में कुछ बदमाशों के आने का इनपुट मिला था। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने ट्रैप लगाया था। अंधेरे में बदमाश जैसे ही आए तो उन्हें सरेंडर करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने पुलिस पार्टी पर फायर कर दिया।

बदमाशों की तरफ से फायरिंग शुरू होने के बाद जवाबी कार्रवाई में क्राइम ब्रांच की टीम ने भी फायरिंग की। इस घटना में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है। पैर में गोली लगने के बाद बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। घायल हालत में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पकड़े गए बदमाशों के नाम दीपक हड्डी और कैलाश हैं। बताया जा रहा है कि इन बदमाशों ने 27 मार्च को एक पुलिसकर्मी पर

गोली मार कर जानलेवा हमला किया था। इसके बाद से उनकी तलाश की जा रही थी। क्राइम ब्रांच की टीम से पूछताछ करेगी ताकि यह पता लग सके कि इनका किसी गैंग से कोई ताल्लुक तो नहीं है। दिल्ली पुलिस ने ट्रक चालकों को निशाना बनाने वाले तीन हथियारबंद लुटेरों को बुधवार (नौ अप्रैल) तड़के संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। तीनों को किराड़ी रेलवे क्रॉसिंग के पास से गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों की पहचान राजेश, (25), खुर्शीद (24) और नितिन (24) के रूप में हुई। खुर्शीद कम से कम 10 आपराधिक मामलों में शामिल था। यह कार्रवाई मंगलवार और बुधवार को ट्रक चालकों पर हमले के संबंध में दर्ज की गई दो प्राथमिकियों पर की गई। प्राथमिकी के अनुसार हमलावरों ने ट्रक चालकों से मोबाइल फोन और नकदी छीनी तथा उनके साथ मारपीट भी की। पुलिस उपायुक्त (बाहरी) सचिन शर्मा ने कहा, ÷दोनों घटनाओं की जांच के लिए एक टीम गठित की गई थी। टीमों ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की। टीम ने राजमार्ग पर गश्त के दौरान मिली सूचना के आधार पर आरोपियों का पता लगाया।÷

डीयू के कॉलेज की प्रिंसिपल ने क्लासरूम की दीवारों पर लगा दिया गाय का गोबर

दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली यूनिवर्सिटी के लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्रिंसिपल का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह क्लासरूम की दीवारों पर गोबर का लेप लगाते हुए दिख रही हैं। प्रिंसिपल प्रत्यूष वत्सला ने बताया कि यह काम एक संकाय सदस्य द्वारा शुरू की गई रिसर्च प्रोजेक्ट का हिस्सा है। उन्होंने खुद ही कॉलेज के शिक्षकों के साथ यह वीडियो शेयर किया है, जिसमें बताया गया कि क्लासरूम को ठंडा रखने के लिए देसी तरीके अपनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट का नाम है ''पारंपरिक भारतीय ज्ञान का उपयोग करके तापीय तनाव नियंत्रण का अध्ययन।''

हिसार से अयोध्या पहुंची पहली फ्लाइट, पीएम मोदी ने किया था रवाना

सप्ताह में 2 दिन शुक्रवार और रविवार को यह फ्लाइट उड़ान भरेगी

अयोध्या (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार सुबह हिसार से अयोध्या के लिए एक वाणिज्यिक उड़ान को हरी झंडी दिखाई थी। 1 घंटे 45 मिनट का सफर करके जब ये फ्लाइट अयोध्या एयरपोर्ट पर पहुंची तो वहां मौजूद लोगों ने हिसार के यात्रियों का स्वागत किया। एयरपोर्ट के डायरेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि सप्ताह में 2 दिन शुक्रवार और रविवार को यह फ्लाइट उड़ान भरेगी। उन्होंने कहा कि इससे हिसार और अयोध्या के बीच व्यापारिक संबंध भी अच्छे होंगे।

हिसार से अयोध्या के लिए फ्लाइट का समय सुबह 10.40 बजे का है। हालांकि आज ये फ्लाइट आधे घंटे पहले सुबह 10.10 बजे रवाना हुई। इसके लिए पहले ही यात्रियों को एयरलाइन कंपनी की तरफ से मैसेज भेजकर सूचना दे दी गई थी। अयोध्या से सीधी उड़ान सेवा की शुरुआत होने से लोगों में खुशी है। फ्लाइट के अंदर की तस्वीर सामने आई है जिसमें लोगों की खुशी साफ दिख रही है।

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, ÷बहुत जल्द यहां से दूसरे शहरों के लिए भी उड़ानें शुरू होंगी। आज हिसार एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का शिलान्यास भी हुआ है। यह शुरुआत हरियाणा के विकास को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएगी। हरियाणा के लोगों को इस नई शुरुआत के लिए ढेर सारी बधाई देता हूं। साथियों, मेरा आपसे वादा रहा है कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज में उड़ेगा।÷ पीएम मोदी ने कहा कि प्रभु राम की नगरी से हरियाणा आज जुड़ गया। हिसार से अयोध्या की फ्लाइट को हरी झांडी दिखाने के साथ ही पीएम मोदी ने इंटरनेशनल टर्मिनल की आधारशिला रखी। इसे शंख के आकार में बनाया गया है।

शादी की रस्म के बीच ततैये ने किया हमला,

एक ही परिवार के 25 लोग घायल

हमीरपुर (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शादी समारोह के दौरान अचानक ततैये ने हमला कर दिया। ततैये के हमले से 25 लोग घायल बताए जा रहे हैं। वहीं घायलों में पांच लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनका इलाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि शादी समारोह के दौरान परिवार के सभी सदस्य मंदिर पर रस्म पूरी करने के लिए गए हुए थे। इसी दौरान अचानक ततैयों ने हमला कर दिया। इस घटना में दूल्हा भी घायल हो गया है। फिलहाल सभी घायलों का उपचार कराया जा रहा है।

दरअसल, पूरा मामला हमीरपुर जिले के रक्कड़ गांव की है। यहां एक व्यक्ति की शादी की रस्म चल रही थी। रस्म पूरी करने के लिए परिवार के सभी लोग एक मंदिर पर गए हुए थे। इसी दौरान मंदिर के पास ही ततैयों के एक झुंड ने उन लोगों पर हमला कर दिया। वहीं ततैयों के हमले से मौके पर हड़कंप मच गया। आनन-फानन में लोग इधर-उधर भागते हुए नजर आए। इस घटना में ततैयों के हमले से

कुल 25 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में से पांच लोगों की हालत गंभीर है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दूल्हे के पिता दिलीप सिंह ने बताया कि मंदिर में रस्म के दौरान ततैयों ने हमला कर दिया। घटना के बाद घायलों को नादौन अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज किया जा रहा है। वहीं अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि पांच लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है, जबकि दूल्हा और कुछ अन्य भी गंभीर रूप से घायल हैं। फिलहाल ततैये के हमले के बाद शादी में खुशी का माहौल मातम में बदल गया। कुछ समय के लिए शादी की रस्म रोक दी गई है।

प्रियंका गांधी को मिल सकता है कांग्रेस में बड़ा पद

पायलट प्रोजेक्ट का ब्ल्यूप्रिंट प्रियंका गांधी वाड्रा ने ही तैयार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की महासचिव और केरल के वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी को पार्टी कोई बड़ा पद देने पर विचार कर रही है। सूत्रों की मानें तो पार्टी के जिला अध्यक्षों को सशक्त बनाकर और जिम्मेदारी देने के पायलट प्रोजेक्ट का ब्ल्यूप्रिंट प्रियंका गांधी वाड्रा ने ही तैयार किया। इस पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत कांग्रेस पार्टी गुजरात से करेगी, अगर यह सफल रहा तो फिर व्यापक लेवल पर इसे लॉन्च कर देगी।

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, प्रियंका गांधी वाड्रा को पार्टी उपाध्यक्ष बनाने समेत कई और विकल्पों पर पार्टी में चर्चा चल रही है,हालांकि अभी इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया हैं। बता दें कि प्रियंका गांधी वाड्रा फिलहाल पार्टी की महासचिव हैं, लेकिन उनके पास अभी कोई प्रभार नहीं है। पर्दे के पीछे रहकर वह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रही हैं, जिसका एक उदाहरण गुजरात में

जिला अध्यक्षों को और ताकत देने का पायलट प्रोजेक्ट है, जो अगर गुजरात में सफल हुआ तो अन्य राज्यों में भी शुरू किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस पार्टी अब संगठन को मजबूत करने के लिए फंक्शनल बदलाव पर ज्यादा जोर देगी और पार्टी अपने संगठन में कई और फेरबदल करेगी जिससे पार्टी की कामकाज में व्यापक सुधार हो सके।

बीजेपी ने साधा था निशाना: गौरतलब है कि पिछले दिनों गुजरात में कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित हुआ, इस अधिवेशन में संगठन को सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पहुंचे थे। लेकिन प्रियंका गांधी इस अधिवेशन से दूर थी, जिसे लेकर बीजेपी ने हमला भी बोला था। बीजेपी ने कहा था कि राष्ट्रीय अधिवेशन से प्रियंका की अनुपस्थिति गांधी भाई-बहनों के भीतर के मामलों के बारे में गंभीर सवाल खड़े करता है। यह पहली बार नहीं। उनकी अनुपस्थिति एक और हाईप्रोफाइल कार्यक्रम से यह साफ संदेश दे रही कि पार्टी में सबकुछ ठीक नहीं है।

दिल्ली में 15 विदेशी नागरिक गिरफ्तार, बना वैध वीजा के थे

लखनऊ (एजेंसी)। भारत के विभिन्न राज्यों में अवैध विदेशी नागरिकों और घुसपैठियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ा गया है। इसी क्रम में राजधानी दिल्ली में

पुलिस ने एक बार फिर से 15 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये विदेशी नागरिक बिना वैध वीजा के भारत में रह रहे थे। अब इन सभी विदेशी नागरिकों को वापस उनके देश भेजा जाएगा। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को इस पूरे मामले के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि दिल्ली के मोहन गार्डन और उत्तम नगर इलाकों में पुलिस की ओर से चलाए गए अभियान में 15 विदेशी नागरिकों को पकड़ गया है। पकड़ गए विदेश नागरिकों में बांग्लादेशियों के अलावा 12 नाइजीरियाई और एक आइवरी कोस्ट का नागरिक शामिल है।

पंजाब नेशनल बैंक लोन घोटाले का आरोपी भगोड़ा मेहुल चोकसी बेल्जियम से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब नेशनल बैंक लोन घोटाले के आरोपी भगोड़े मेहुल चोकसी को बेल्जियम के एक अस्पताल से गिरफ्तार कर लिया गया है। उसपर पीएनबी से लोन के रूप में लिए गए 13,500 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप है। बेल्जियम के हॉस्पिटल

● करीब 13,850 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मुख्य आरोपी

से उसे गिरफ्तार किया गया है और उसे फिलहाल बेल्जियम डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। जिस समय उसे गिरफ्तार किया गया उस समय वह बेल्जियम से फरार होकर स्विट्जरलैंड भागने की फिराक में था। जानकारी के मुताबिक मेहुल चोकसी को साल 2018 और 2021 में मुंबई की कोर्ट द्वारा जारी किए गए दो गैर जमानती वारंट के आधार पर 12 अप्रैल 2025 को गिरफ्तार किया गया है।

29 नवंबर, 2011 को मुंबई में एक ख़बर ने तहलका मचा दिया था कि यहां भारत का पहला गोल्ड एटीएम लगाया गया है और इस एटीएम से लोग सोने-चांदी के सिक्के और हीरे जवाहरात ख़रीद सकते हैं। उस एटीएम को लगाया था गीतांजलि नामक कंपनी ने और ये कंपनी थी मेहुल चोकसी की। इस तरह मेहुल चोकसी उस वक़्त भारत के हीरा कारोबार के पोस्टर बॉय बन गया था। उसकी कहानी भी उसी तहलका मचाने वाली एटीएम जैसी ही है, जिसकी हर शुरुआत हीरे जैसी चमकदार थी। उसके तौर-तरीक़े हमेशा सोने जैसे लचीले रहे। लेकिन, बाद में आपको ऐसा लकता कि किसी ने गहनों की दुकान से आपको ठग लिया हो। मेहुल ने पिता चीनूभाई चोकसी के हीरों के सिर्फ़ कटिंग-पॉलिशिंग का ही कारोबार था जिसे मेहुल चोकसी ने विदेशों तक पहुंचा दिया और नाम और शोहरत हासिल की। मेहुल चोकसी ने बहन के नाम पर अपनी कंपनी का नाम रखा था-गीतांजलि। इस कंपनी ने 2006 में आईपीओ में क़दम रखा, तो 330 करोड़ रुपए इकट्ठा किए। फिर साल 2013 में वो वक़्त आया, जब सेबी ने मेहुल की कंपनी को हेर-फ़ेर के शक में 6 महीने के लिए स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग से रोक दिया। नकली हीरे को लेकर कंपनी की बहुत बदनामी हुई और कर्मचारियों को ही नौकरी के लाले पड़ गए। फिर मेहुल चोकसी ने दांव खेला और अपने प्रोडक्ट को सही साबित करने की ठानी। इस तरह से 2008 में कटरीना कैफ़ ने उनके हीरों का प्रचार किया, तो एक साल में कंपनी की बिक्री 60 फ़ीसदी बढ़ गई।2018 में कंपनी के पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर संतोष श्रीवास्तव ने आरोप लगाए कि गीतांजलि अपने ग्राहकों को नकली हीरे बेचती थी। इस तरह से एक और झटका लगा। चोकसी की कंपनियों ने 2011 से ही बैंकिंग सिस्टम की खामियों का फायदा उठाकर पंजाब नेशनल बैंक से फर्जी लेन-देन शुरू कर दिया और बैंक के ही कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से उसने लेटर्स ऑफ अंडरटेकिंग के जरिये अरबों रुपये का कर्ज ले लिया, जिसका कोई पुख्ता गारंटी या बैकअप नहीं था। इन रुझान के आधार पर चोकसी की गीतांजलि ग्रुप और उसके सहयोगी कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय बैंकों से कर्ज मिला, जिसे न तो चुकाया गया और न ही सही तरीके से बही खातों में दिखाया गया।2018 में पीएनबी ने मेहुल चोकसी की कंपनी के इस घोटाले का खुलासा किया, जो पूरे देश को हिला देने वाली खबर थी। इस खुलासे में करीब 13,850 करोड़ की धोखाधड़ी सामने आई, जिसके मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी और उसका भांजा नीरव मोदी थे।

जीएमसी में 16 लैब असिस्टेंट की नियुक्ति को हाई कोर्ट में चुनौती

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गांधी मेडिकल कॉलेज में लैब असिस्टेंट और टेक्नीशियन की भर्ती का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। जबलपुर हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच 16 अप्रैल को इस पर सुनवाई करेगी। याचिका सागर निवासी वीर सिंह लोधी ने दायर की है। उनका आरोप है कि 2021 में कॉलेज में 16 लैब असिस्टेंट और अन्य पदों पर हुई भर्ती मध्य प्रदेश आदर्श सेवा भर्ती नियम, 2018 के खिलाफ थी। खासतौर पर नियम 6.2 का उल्लंघन हुआ, जिसमें परीक्षा के समय उम्मीदवार के हस्ताक्षर लेना जरूरी होता है। यह प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। भर्ती पर सवाल उठने के बाद डीन ने जांच समिति बनाई थी, लेकिन अब तक उसकी रिपोर्ट सामने नहीं आई। याचिकाकर्ता का आरोप है कि रिपोर्ट को दबा दिया गया है और तथ्यों को छिपाया जा रहा है। अवैध तरीके से नियुक्त लोगों को बचाया जा रहा है। याचिका में कहा गया है कि डीन ने शिकायतों को नजरअंदाज किया।

90 डॉक्टरों को जारी होंगे आरोप पत्र

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र के 66 नर्सिंग कॉलेजों को हाई कोर्ट ने अपात्र घोषित किया है। इन कॉलेजों को पहले ओके रिपोर्ट दी गई थी। इन रिपोर्ट्स को तैयार करने वाले अधिकारियों पर सीएस अनुराग जैन के निर्देश पर कार्रवाई की जा रही है। इन कॉलेजों का निरीक्षण करने वाले 90 डॉक्टरों और 21 नर्सिंग स्टाफ, 17 राजस्व अधिकारी/पटवारी और 19 डिप्टी कलेक्टर्स पर आरोप पत्र जारी किए जा रहे हैं। डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ पर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग कार्रवाई करेगा। राजस्व अधिकारियों और डिप्टी कलेक्टर्स के खिलाफ आरोप पत्र राजस्व विभाग की तरफ से जारी होगा। बीते दिनों 90 डॉक्टरों को नोटिस भेजे गए थे। इनमें से सिर्फ 50 डॉक्टरों ने जवाब दिया। सरकार इन जवाबों से संतुष्ट नहीं है। अब सभी 90 डॉक्टरों पर विभागीय जांच शुरू की जा रही है। इस कार्रवाई के तहत ग्वालियर, जबलपुर, छिंदवाड़ा, भोपाल, खंडवा, इंदौर, रतलाम, रीवा और विदिशा के मेडिकल कॉलेजों को निर्देश दिए गए हैं।

बिना अनुमति के मंत्री से करवाया पौधरोपण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल की पहल पर पौधरोपण करने के कारण जनपद पंचायत पोहरी के प्रभारी सीईओ गिर्राज शर्मा को शासन ने निलंबित कर दिया है। उनका पद विकास खंड अधिकारी है। ग्रामीण एवं पंचायत विभाग के जारी आदेश में कहा गया है 10 अप्रैल को मंत्री जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शिवपुरी जिले के दौरे पर थे। शर्मा ने बिना अनुमति व गाइडलाइन के खिलाफ जाकर पौधरोपण आयोजित किया। विभाग से पौधरोपण 20 जून के बाद करने के निर्देश हैं। इस कृत्य को मप्र सिविल सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन माना गया। शर्मा को मुख्यालय विकास आयुक्त कार्यालय भोपाल अटैच कर दिया।

पेंशन में हिस्सा नहीं दिया तो बेटे ने पिता को घर से निकाला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बुजुर्ग पिता की पेंशन में हिस्सा मांगने और ऐसा नहीं करने पर पिता को ही घर से बेदखल करने का मामला सामने आया है। पिता के आवेदन पर कार्रवाई करते हुए गोविंदपुरा एसडीएम रवीश श्रीवास्तव ने बेटे को न सिर्फ फटकार लगाई, बल्कि हर महीने 1000 रुपए देने और माता-पिता का ख्याल रखने के आदेश दिए हैं। शिवनगर भानपुर निवासी 63 वर्षीय मोहन रैकवार रिटायर्ड हैं। बुजुर्ग ने अपनी शिकायत में बताया कि बड़ा बेटा रवि हमें खर्च देने की बजाय उल्टा हमारी पेंशन में से पैसे मांगता है। रवि हमें घर से निकालने की धमकी दे रहा है। एसडीएम श्रीवास्तव ने रवि को आदेश दिए हैं कि वह बुजुर्ग पिता को हर महीने 1000 रुपए बतौर भरण-पोषण देंगे।

पेयजल संकट से निपटने के लिए नलकूप खनन के वेंडर बढ़ाये जाएंगे : स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा, परिवहन एवं बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि गर्मी के मौसम को देखते हुए, ऐसी व्यवस्था करें कि जिले में कही पर भी पानी का संकट न हो। उन्होंने कहा कि जिले में नलकूप खनन के साथ ही मोटर पम्प और राइजिंग पाइप सहित सभी व्यवस्थाएं तैयार रखें। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वें वित्त से भी पेयजल के संबंध में व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नलकूप खनन के वेंडर की वर्तमान संख्या पर्याप्त नहीं है इसे बढ़ाया जाये। प्रभारी मंत्री श्री सिंह शनिवार को बालाघाट जिले के मलाजखंड में पेयजल व्यवस्था संबंधित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में वर्तमान जल संकट सहित कई विषयों पर चर्चा हुई। प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने कहा कि पेयजल, बिजली और जल संरक्षण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आने वाले 2 माह तक इन कार्यों पर लगकर कार्य करना आवश्यक है। प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने किसानों को धान के साथ मक्का की फसल लेने की सराहना की। उन्होंने कहा कि बिजली की 30 वर्षों की मांग को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना तैयार की जाये। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि पीएम आवास सहित आम नागरिकों के लिए रेत की व्यवस्था सुगमता से होनी चाहिए बैठक में सांसद श्रीमती भारती पारधी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सम्राट सिंह सरस्वार, विधायक सर्वश्री संजय उइके, मधु भगत, श्रीमती अनुभा मुंजारे, गौरव पारधी, विक्की पटेल, राजकुमार कर्हाहे एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने मलाजखंड नगर परिषद में बनाई गई लायब्रेरी का अवलोकन कर प्रयासों की सराहना की। प्रभारी मंत्री श्री सिंह को अवगत कराया कि नगर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी लायब्रेरी स्थापित करने के प्रयासों जारी है। उन्होंने पीएम आवास हितग्राही श्री दलम सिंह के घर चाय और कोदो कुटकी का स्वादलिया। प्रभारी मंत्री श्री सिंह मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उन्होंने 285 नवदंपति के सुखमय और मंगलमय जीवन की कामना की। प्रभारी मंत्री ने प्रत्येक नवदंपति को 49-49 हजार रूपये के चैक प्रदान किये। प्रभारी मंत्री ने कहा कि अब हर विधानसभा क्षेत्र में हेलीपेड तैयार किया जायेगा। आपात स्थिति में ग्रामीणों के उपचार के लिये एयर लिफ्ट कर देश के बड़े अस्पतालों में उपचार कराया जायेगा।

नीट, जेईई, एसएससी, रेलवे की तैयारी अब होगी आसान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल-शासकीय मौलाना आजाद सेंट्रल लाइब्रेरी में मध्यप्रदेश सरकार ने उपलब्ध बजट के तहत 130 नई किताबों का कलेक्शन शामिल किया है। ये किताबें विशेष रूप से नीट, जेईई, एसएससी, रेलवे, व्यापम और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए तैयार की गई हैं। सरकार का उद्देश्य है कि संसाधनों की कमी के कारण कोई भी युवा शिक्षा से वंचित न रहे। इन नई किताबों की कीमत आमतौर पर अधिक होती है, जिससे कई छात्र इन्हें खरीद नहीं पाते, लेकिन अब यह किताबें लाइब्रेरी में मुफ्त उपलब्ध होंगी। इससे पहले, नीट की नई किताबें लाइब्रेरी में उपलब्ध कराई गई थीं, जिससे कई छात्रों ने प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों की प्रवेश परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की थी। इस साल भी 20 से अधिक छात्र लाइब्रेरी में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं।

लाइब्रेरी में एसएससी, रेलवे, बैंक, मध्यप्रदेश पुलिस, पटवारी और अन्य परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र भी लगातार सफलता हासिल कर रहे हैं। लाइब्रेरी में सुबह 7:00 बजे से रात 9:30 बजे तक अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है। छात्र 600 रुपए की वार्षिक सदस्यता में दो किताबें 14 दिनों के लिए घर ले जा सकते हैं।

सामाजिक व्यवस्था में सैनी समाज की भूमिका उल्लेखनीय : मंत्री श्री कुशवाह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह गुरूग्राम (हरियाणा) में ऑल इंडिया सैनी समाज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय जाग्रति महा सम्मेलन में शामिल हुए। महा सम्मेलन का आयोजन महात्मा ज्योतिबा फुले के जयंती के उपलक्ष में किया गया। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि देश की सामाजिक व्यवस्था में सैनी समाज की भूमिका उल्लेखनीय है। महा सम्मेलन में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, बिहार के उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य तथा महाराष्ट्र के पूर्व उप मुख्यमंत्री श्री छगन भुजबलसहित सैनी समाज के वरिष्ठजन उपस्थित थे।

वन विहार के वन्य प्राणियों के लिये गर्मी के मौसम में की गई व्यवस्थाएं

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में वन्यप्राणियों को गर्मी से राहत देने के लिये हाउसिंग में रखे गये मांसाहारी वन्यप्राणियों के लिये गर्मी से बचाव हेतु कूलर लगाये गये हैं, हाउसिंग की खिड़कियों पर पर्दे लगाये गये, क्रॉल के ऊपर लू से बचाव के लिये ग्रीन नेट डाली गई है। क्रॉल को ठंडा रखने के लिये पानी का छिड़काव किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इंक्लोजर में निर्मित सॉसर के ऊपर प्रकृति से मेल खाते हुये घास के शेड बनाये गये हैं, जिससे सॉसर का पानी ठंठा रहे एवं उसमें बैठने पर वन्य प्राणी का धूप से बचाव हो सके। संचालक वन विहार ने बताया कि जल स्त्रोतों में ऐसी व्यवस्था की गई है कि उसमें हमेशा पानी भरा रहे। वन्य प्राणी चिकित्सक की सलाह अनुसार उनको भोजन दिया जा रहा है। शाकाहारी वन्य प्राणियों को गर्मी से बचाव के लिये खुले क्षेत्र में प्रकृति से मेल खाते हुये

घास के शेड बनाये गये हैं। विभिन्न स्थलों पर निर्मित जल स्त्रोतों में पानी की निरंतरता बनी रहें ऐसी व्यवस्था की गई है। वन्यप्राणियों को हरा चारा एवं पशु आहार सुदाना भी दिया जा रहा है और आवश्यकतानुसार उन्हें साल्ट लिक्स तथा मिनरल मिक्सचर भी दिया जा रहा है।

दिल्ली से आने वाली 4 फ्लाइट्स लेट आईं

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उत्तर भारत सहित दिल्ली और आसपास मौसम की खराबी का असर लगातार दूसरे दिन यानी शनिवार को भी जारी रहा। इस वजह से दिल्ली से आने वाली चार फ्लाइट्स यहां देरी से पहुंचीं। वहीं, एअर इंडिया की मुंबई से आने वाली एक फ्लाइट भी लेट आई। जानकारी के अनुसार, एअर इंडिया की एआई-2527 दिल्ली-भोपाल

फ्लाइट सुबह 7:15 बजे से 25 मिनट की देरी से यहां पहुंची। जबकि एअर इंडिया की एआई-633 मुंबई-भोपाल फ्लाइट दोपहर 12:05 बजे से एक घंटे 20 मिनट की देरी से आ सकी। इसके अलावा, एअर इंडिया की एआई-433 दिल्ली-भोपाल फ्लाइट शाम 4 बजे से 50 मिनट की देरी से पहुंची। वहीं, इंडिगो की 6ई-2172 दिल्ली-भोपाल इवनिंग फ्लाइट शाम 4:20 की जगह करीब 2 घंटे 50 मिनट की देरी से आ सकी। साथ ही, इंडिगो की 6ई-2791 दिल्ली-भोपाल नाइट फ्लाइट अपने निर्धारित शेड्यूल रात 8:25 बजे से दो घंटे से ज्यादा की देरी से बताई गई।

20 करोड़ रुपए के रेमडेसिविर इंजेक्शन और दवाएं रखे-रखे एक्सपायर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कोरोना की दूसरी लहर में लोग अपनों के इलाज के लिए एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भटकते रहे। कभी बेड के लिए, तो कभी ऑक्सीजन और रेमडेसिविर इंजेक्शन के लिए। सैकड़ों लोगों ने अपनों को कोरोना की दूसरी लहर में खो दिया। लेकिन लापरवाही का आलम देखिए कि मरीजों के इलाज के लिए जो दवाएं (एंटी वायरल ड्रग और रेमडेसिविर इंजेक्शन) केंद्र सरकार ने राज्य सरकार को निशुल्क दी थीं, वे सरकारी गोदाम में रखे-रखे एक्सपायर हो गईं। अब इन्हें नष्ट करवा दिया गया। सरकारी गोदाम में (दवा मार्केट के अनुसार) 20 करोड़ 12 लाख 9 हजार 800 की दवाएं और इंजेक्शन एक्सपायर हुए हैं। पब्लिक हेल्थ कॉर्पोरेशन ने इन्हें नष्ट कराने के लिए करीब 3 से 5 लाख रुपए खर्च किए। हालांकि यह प्रक्रिया टेंडर के जरिए की गई। स्वास्थ्य विभाग के अफसरों ने बताया कि कोरोना की दूसरी लहर के बाद बची हुई दवाएं और इंजेक्शन के अलावा कुछ अन्य उपकरण निशातपुरा स्थित एक गोदाम में रखे गए थे। यहां से दवाओं और इंजेक्शन की सप्लाई एमपी के विभिन्न जिलों में जरूरत के हिसाब से कराई जाती थी। 2023 में जरूरी दवाएं, इंजेक्शन और कोरोना किट एक्सपायर हो गए थे। इसकी जानकारी लगने के बाद 4 मई 2023 को अफसरों ने इसे नष्ट करने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल को पत्र लिखा था। सूत्रों ने बताया कि एक लाख रुपए प्रति महीने के हिसाब से दो साल का गोदाम का किराया 24 लाख रुपए होता है। मामले की जानकारी मप्र पब्लिक हेल्थ कॉर्पोरेशन के एमडी मयंक अग्रवाल को लगी तो उन्होंने तत्काल एक्सपायर दवाओं को नष्ट कराया। कोरोना के समय केंद्र सरकार ने दवाई और इंजेक्शन निशुल्क उपलब्ध कराए थे। जो मरीज को नहीं लग पाए थे या जिनका उपयोग नहीं हो पाया था। बचे हुए इंजेक्शन और दवाएं सरकारी गोदाम में रखी हुई थीं।

एक्सपायरी की जानकारी मिलने के बाद उन्हें तय प्रक्रिया के तहत नष्ट करा दिया गया है। दो साल से सरकार एक्सपायर हुई दवाएं और अन्य उपकरण रखे होने का किराया चुकाती रही। इन्हें क्यों नहीं बांटा गया? जरूरत के हिसाब से सभी चीजों को बांट दिया गया था।

सिंहस्थ के पहले कान्ह और शिप्रा नदी पर रेड स्टोन से बनना है घाट, तीसरी बार बुलाए टेंडर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सिंहस्थ की तैयारियों के लिए उज्जैन में कान्ह नदी और शिप्रा नदी के दोनों तटों पर 29 किमी लंबा घाट बनाने के राज्य सरकार के निर्णय पर अमल नहीं हो पा रहा है। जल 596.62 करोड़ रुपए के इस काम के लिए संसाधन विभाग ने 2 बार बुलाए टेंडर बुलाए जा चुके हैं। इसके बाद भी शासन की शर्तों को पूरा करने वाले ठेकेदार सामने नहीं आए हैं। ऐसे में प्रमुख अभियंता जल संसाधन के निर्देश के बाद तीसरी बार टेंडर कॉल किए गए हैं। यह काम अब ढाई साल में पूरा करना है, जिसके लिए पहले शासन ने तीन साल का समय तय किया था। प्रमुख अभियंता

जल संसाधन विनोद कुमार देवड़ा के आदेश के अनुसार इसके लिए विभाग द्वारा पूर्व में 11 मार्च 2025 को टेंडर कॉल किए गए थे। इसके लिए सिर्फ दो ठेकेदारों ने ही फॉर्म भरे। ऐसे में टेंडर की प्रक्रिया पूरी न होने के कारण इन कामों के लिए बुलाए गए टेंडर को ही निरस्त कर दिया गया है। देवड़ा ने अब परियोजना प्रशासक एनकेपीआईयू-1 और 2 को तीसरी बार टेंडर कॉल करने के निर्देश जारी किए जिसके बाद तीसरी बार 8 अप्रैल को टेंडर कॉल किए गए हैं और अप्रैल अंत तक इस पर फैसला हो सकेगा।

नदी के दोनों ओर 29 किमी लंबे घाट बनाने का निर्णय शासन ने लिया है। इसके लिए टेंडर की शर्तों में पहले चार ठेकेदारों से काम कराने की बात थी लेकिन बाद में यह काम किसी एक ठेकेदार से ही कराने का निर्णय हुआ है ताकि काम में एकरूपता रहे और आधा-अधूरा काम होने की स्थिति न रहे। ऐसे में 596.62 करोड़ के काम के लिए ठेकेदार सामने आने पर आगे की कार्यवाही होगी। कान्ह और शिप्रा नदी पर बनाए जाने वाले घाटों पर पहले स्थानीय स्तर पर उपलब्ध स्टोन लगाकर घाट तैयार करने का निर्णय हुआ था लेकिन बाद में यह तय किया है कि रामघाट के जैसे रेड स्टोन से घाट बनाए जाएंगे।

भोपाल के आसपास रोज जल रही पराली

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गेहूं की फसल कटने के बाद शहर के आसपास पराली जलाने का सिलसिला शुरू हो गया है। भोपाल जिले में रोज करीब 25 स्थानों पर पराली जल रही है। इसकी सैटेलाइट रिपोर्ट भी प्रशासन को मिल रही है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, जिस स्थान पर पराली जलती है, वहां एक्यूआई 100 से अधिक हो जाता है। इसका असर आसपास के इलाके पर भी पड़ता है। भोपाल में इस समय पश्चिमी हवा चल रही है। यानी नीलबड़-रातीबड़ की तरफ से शहर में हवा आ रही है।

इसलिए उस इलाके में जलने वाली पराली का असर शहर में अधिक हो रहा है। बीते तीन-चार दिनों से अयोध्या बायपास, रायसेन रोड, विदिशा रोड, बैरागढ़ से इंदौर रोड, रातीबड़ रोड, नीलबड़, होशंगाबाद रोड के आसपास बसी कॉलोनियों में धुआं और पराली के कण पहुंच रहे हैं।

1. कार्बन मोनोऑक्साइड, मीथेन,

कैंसर कारक पॉलीसाइक्लिक ऐरोमेटिक हाइड्रोकार्बन, वोलेटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड जैसी जहरीली गैसें निकलती हैं। ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।

2. पराली जलाने से पीएम-2.5 कण निकलते हैं। ये हवा से शहरी क्षेत्रों में पहुंचते हैं और सांस लेने पर फेफड़ों तक पहुंच जाते हैं। ये फेफड़ों के कैंसर का कारण भी बन सकते हैं।

3. इससे से मिट्टी की उत्पादन क्षमता भी कम हो रही है। यही नहीं, बैक्टीरिया और फंगल आबादी भी जलकर खत्म हो जाती है। जबकि उपजाऊ मिट्टी के लिए ये सब बेहद जरूरी हैं।

नर्सिंग-पैरामेडिकल का संचालन अब रीजनल यूनिवर्सिटी करेंगी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शैक्षणिक सत्र 2025-26 से नर्सिंग और पैरामेडिकल कोर्स संचालित करने वाले सभी कॉलेजों को अब मेडिकल यूनिवर्सिटी की जगह रीजनल यूनिवर्सिटी से संबद्धता लेनी होगी। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग के अवर सचिव वीरन सिंह भलावी ने 11 अप्रैल को आदेश जारी कर दिए हैं। प्रवेश परीक्षा से लेकर काउंसलिंग और कक्षाओं के संचालन का वार्षिक कैलेंडर भी जारी कर दिया गया है।

अब 1 नवंबर से कक्षाएं शुरू होंगी। वहीं, मेडिकल यूनिवर्सिटी को सत्र 2024-25 में दी गई संबद्धता की जानकारी 30 अप्रैल तक उच्च शिक्षा विभाग को सौंपनी होगी। नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संचालकों को 30 जुलाई तक कॉलेजों को मान्यता देने की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सभी कार्य ऑनलाइन एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत किए जाएं और मान्यता, एनओसी तथा संबद्धता से जुड़ी जानकारी संबंधित विभागों और विश्वविद्यालयों की वेबसाइट पर समय पर प्रकाशित की जाए। प्रवेश परीक्षाएं 15 मई से 31 जुलाई 2025 तक।

प्रिज्म सीमेंट में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रिज्म सीमेंट, जो प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड की एक इकाई है, में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी अंतरविभागीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खेल भावना के साथ अपनी टीम भावना का परिचय दिया। प्रतियोगिताओं का समापन 10 अप्रैल 2025 को एक भव्य समापन समारोह के साथ हुआ।

देवेन्द्र मिश्रा एजीएम सीएसआर एवं जनसंपर्क ने जानकारी देते हुये बताया कि प्रतियोगिता में टीम खेलों जैसे वॉलीबॉल, रस्साकशी, क्रिकेट, बैडमिंटन, कैरम और टेबल टेनिस का आयोजन किया गया। वहीं, व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं में शॉटपुट, डिस्कस थ्रो और स्लो साइक्लिंग, 100 मीटर व 50 मीटर रेस जैसे रोचक खेलों का भी आयोजन किया गया।

समापन समारोह में मनीष कुमार सिंह, प्रेसीडेंट एंड प्लांट हेड, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनीष कुमार सिन्हा, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट, एचआरएम एंड कार्पोरेट अफेयर्स ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में आशीष कुमार हिंगर, हेड एकाउण्ट्स एवं अर्न्तयामी सामल, हेड पर्सनल एंड आईआर सहित सभी विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में कर्मचारीगण मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मनीष कुमार सिंह, प्रेसीडेंट एंड प्लांट हेड, ने प्रतिभागियों के जोश और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि आपसी सहयोग और सौहार्द को भी बढ़ावा देती हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मनीष कुमार सिन्हा, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट, एचआरएम एंड कार्पोरेट अफेयर्स, ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि प्रिज्म सीमेंट में हमारा सदैव प्रयास रहा है कि कार्यस्थल केवल कार्य का स्थान न होकर, एक ऐसा मंच बने जहाँ हर कर्मचारी को आत्मविकास, स्वास्थ्य और सौहार्द का अवसर मिले।

आशीष कुमार हिंगर, हेड एकाउण्ट्स ने कहा कि वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता ने न केवल हमारे कर्मचारियों की खेल प्रतिभा को उजागर किया है, बल्कि टीम वर्क, अनुशासन और सकारात्मक सोच को भी बढ़ावा दिया है।

कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिता के विजेताओं और उपविजेताओं को मुख्य अतिथियों द्वारा ट्रॉफी एवं प्राइज प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान सभी विजेताओं का उत्साहपूर्वक अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन अशोक कुमार गौतम, वेलफेयर मैनेजर एवं नीलेश्वर मिश्रा द्वारा किया गया। आयोजन में भूपेन्द्र सिंह ठाकुर, गौरव शुक्ला और सुशील कुमार का विशेष सहयोग रहा।

मंगल युवा कल्याण समिति के द्वारा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मनाई गई जयंती

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था मंगल युवा कल्याण समिति के द्वारा आज संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती बड़े ही हर्षोल्ल्लास के साथ मनाई गई।

इस अवसर संस्था अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर पर प्रकाश डालते हुए वताया की इनका जन्म 14 अप्रैल 1891 को महू मध्य प्रदेश में हुआ था ये लोकप्रिय भारतीय बहुज्ञ, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, लेखक और समाज सुधारक थे। इन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और अछूतो (दलितों) से होने वाले सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया था उन्होंने श्रमिकों,किसानों और महिलाओं के अधिकारों का समर्थन किया था वे स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि एवं न्यायमंत्री, भारतीय संबिधान के जनक एवं भारत गणराज्य के निर्माताओं में से एक थे।

कार्यक्रम के दौरान संस्था सचिव अजय कुमार कोल, सदस्य दिनेश सिंह, रामबदन कोल, विकास कोल आंगनवाड़ी सहायिका पुष्पा देवी आदि उपस्थित थे।

मनाया गया अमर शहीद संत कंवरराम सहिब जी का जन्मोत्सव

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अमर शहीद संत कंवर राम साहिब जी का 140 वाँ जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम व हर्षोलास के साथ कंवर नगर सिन्धी कॉलोनी स्थित संत कंवरराम दरबार में साई किशोरलाल जी के सानिध्य में बड़े धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

इस अवसर पर रूपेश मेहरचंदानी एवं लालवानी ने शानदार भजनों की प्रस्तुति देकर सबको झूमने पर मजबूर कर दिया एवं पूरा हाल सच्चो सतराम की धुन से गूंज गया तत्पश्चात रोहित मोडिया ने सच्चो सतराम सुहड़ो कंवरराम राम चओ राम चओ सच्चो सतराम चओ के भजन की प्रस्तुति देकर समा बांध दिया

भजन संध्या के पश्चात साई किशोरलाल जी दिलीप मोडिया, रोहित मोडिया मनोज वलेजा विनोद गेलानी,अशोक चांदवानी, ज्ञान खटवानी दीपक वाधवानी, संजय वाधवानी संजय आहूजा, मोहन वलेचा, इंद्रलाल कापड़ी महेश रावलानी,मनीष सदानी एवं आश्रम के सेवादारियों ने मिलकर अमर शहीद संत कंवरराम साहिब जी के जन्मोत्सव का केक काटकर उपस्थित सभी भक्तगणों को बधाइयां प्रेषित की

तत्पश्चात विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया जिसमें सैंकड़ो की तादाद में भक्तगणों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया

इस अवसर पर बलरामदास लालवानी कन्हैयालाल लालवानी सेवकराम खटवानी अमर लालवांनी शंकरलाल लालवानी कन्हैयालाल कामदार प्रतापराय गंधेजा परु संजय वाधवानी अमित घोघवानी सर्वत लालवानी जितेंद्र खेमचंदानी अशोक कोटवानी, सुरेश कोटवानी,एवं मातृशक्ति प्रमुख रूप उपस्थित रही।

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में जिला सीधी में दिनांक 12.04.2025 को नालसा (असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए कानूनी सेवाएं) योजना 2015 अंतर्गत नगर पालिका सीमा के अंदर निर्माणाधीन भवन में कार्यरत असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री मुकेश शिवहरे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री सोनू जैन, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री कपिल देव काछी तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक द्वारा किया गया।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री मुकेश कुमार शिवहरे द्वारा उपस्थित श्रमिकों को उनके अधिकार, नालसा (असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए कानूनी सेवाएं) योजना 2015, श्रमिकों से संबंधित कानूनी सुविधाओं की जानकारी से अवगत कराया गया। सचिव श्री शिवहरे ने श्रमिकों को सुरक्षा मापदंड के बारे में अवगत कराया। साथ ही श्रमिकों को पारिश्रमिक का भुगतान समय पर किये जाने हेतु ठेकेदार को निर्देशित किया गया।

गौंवंश संरक्षण अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय निगरानी समिति का गठन किया गया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा आदेश जारी कर जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत गौंवंश संरक्षण अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय निगरानी समिति का गठन किया गया है। जारी आदेशानुसार कलेक्टर जिला सीधी समिति के अध्यक्ष होंगे। इसी प्रकार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सचिव सदस्य, उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएँ सह सचिव, पुलिस अधीक्षक, वन मण्डलाधिकारी, कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएँ, उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएँ, जिला परियोजना प्रबंधक आजीविका मिशन, जिला समन्वयक जन अभियान परिषद सीधी को समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। 'गौ वंश संरक्षण अभियान'' अंतर्गत संबंधित समिति का कार्य दायित्व होगा कि ऐसे स्थल का चयन की समीक्षा करना, जहां निराश्रित गौवंश की वजह से दुर्घटना की स्थिति संभावित होती है।

स्वच्छता एवं जन जागरूकता से ही होगा जलाशयों का पुनरुद्धार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा पूरे जिले में जन जागरूकता, संगोष्ठी, रैली, दीवार लेखन एवं पेंटिंग के माध्यम से जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु समाज की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यर्‍म संचालित किया जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशानुसार जिला कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज के दिशा निर्देशानुसार जिले के अंतर्गत वृहद रूप से जल गंगा संवर्धन अभियान को जन-जन का अभियान बनाने हेतु मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक शिवदत्त उरमलिया द्वारा प्रयास किया जा रहे हैं। इस अभियान में जन अभियान परिषद का समस्त अमला परामर्शदाता विनय तिवारी, परामर्शदाता अजीत वर्मा, रश्मि दिव्यांग सेवा समिति के पदाधिकारी, नवांकुर समिति प्रकाश जन विकाश समिति सीधी के द्वारा अनेकों प्रकार की गतिविधि संचालित करके योजना को सफल एवं जन जन तक पहुचाने का कार्य हो रहा हैं।

इसी र्‍म में दिनांक 13 अप्रैल को विकासखंड सीधी बड़ौरा सेक्टर 2 के बढौरा नदी, बढौरा मंदिर परिसर में स्वच्छता कार्यर्‍म आयोजित किया गया। बढ़ौरा नदी में स्वच्छता कार्यर्‍म के माध्यम से पड़ी हुई गंदगी एवं गाद निकालने का कार्यर्‍म चौन सिस्टम मानव श्रृंखला बनाकर किया गया। विकासखड़ बढौरा सेक्टर 2 के अंतर्गत बढौरा पंचायत में वृहद रूप से जल संरचनाओं की स्वच्छता एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यर्‍म में रश्मि दिव्यांग सेवा समिति के पदाधिकारी अनुराग मिश्रा, विपिन तिवारी, रश्मि तिवारी, अंशिका द्विवेदी, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यर्‍म के छात्र भावना गुप्ता, अखिल पांडेय, गुंजन तिवारी, मनोज देवी, मोहित पांडेय एवं विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाबा साहब के पदचिन्हों पर युवाओ को चलने की आवश्यकता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आज शोषित, वंचित और पीड़ितो के मसीहा समजा सुधारक भारत रत्न डॉ0 भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जन्म दिवस की जयन्ती पर वार्ड 15 संत रविदास भवन में बाबा साहब के विचारो पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई, संगोष्ठ के मुख्य अतिथि गुढ़ विधानसभा की पूर्व विधायिका विद्यावती पटेल जी, कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बबिता साकेत जी ने किया, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में झब्बू पटेल पार्षद वार्ड क्रमांक 15 उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस नेता नवीन सिंह बघेल ने किया। कार्यक्रम के संरक्षक अनूप चंदेल जी द्वारा संगोष्ठी में अपने उदबोधन में कहा कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी के आदर्शो पर आज हम सब युवाओ को चलने की जरूरत है, बाबा साहब ने कहा था कि संविधान की मूल अवधारणा तब तक पूरी नही होगी जब तक राजनैतिक समानता, आर्थिक समानता और सामाजिक समानता समाज के हर वर्ग को नही मिलेगी, हम सभी बड़े सौभाग्यशाली है बाबा साहब ने देश को इतना खूबसूरत संविधान दिया है, लेकिन दुर्भाग्य है वर्तमान सरकार बाबा साहब के बनाये हुये संविधान को खत्म करना चाहती है, लेकिन हम सब युवाओ के रहते बाबा साहब के बनाये हुये संविधान को खत्म करने का प्रयास किया गया तो हम शान्त नही बैठेगे, संविधान की रक्षा के लिये अपने खून का एक-एक कतरा बहा देगे।

पूर्व विधायिक विद्यावती पटेल जी ने अपने उदबोधन में कहा बाबा साहब हर उस वंचित शोषित, बहिष्कृत के उद्धार के लिये हितकारिणी सभा बनाई थी उन्होने नारा दिया था शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो, आज उनके इन विचारो पर चलने की आवश्यकता है। उदबोधन के बाद स्कूली छात्रो को किताबे, पेन, कापी और छोटे बच्चो को चाकलेट वितरित किया गया। तदउपरांत रैली का आयोजन किया गया जो रैली कार्यक्रम स्थल से होकर रतहरा आरटीओ से होते हुये सिरमौर चौराहा, हास्पिटल चौराहा, प्रकाश चौराहा, शिल्पी प्लाजा, कैलाज चौराहा से होकर कलेक्ट्रेट पहुच कर बाबा साहब के प्रतिमा के नीचे बाबा साहब अमर रहे गगन भेदी नारो के साथ बाबा साहब के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जन्म दिन का केट काटा और रैली का समापन किया गया। कार्यक्रम के आयोजक एन.एस.यू.आई के प्रदेश सचिव रविसुमित सिंह, जिला उपाध्यक्ष अविराज बौध, कुंदन देवांगन, अभिषेक, सुभम, शिवम, देवेन्द्र, निखिल, संजय, किशन, राजीव, प्रिंस, अमन, नीरज यादव, रवि रावत, मानवेन्द्र सिंह गहरवार, राजवर्धन सिंह, अंकित सिंह एवं सैकड़ो युवा साथी उपस्थित रहे।

डॉ बाबासाहेब के विचारों को जमीन पर उतरने का लें संकल्प

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद रायपुर कचुंलियान विकासखंड के तत्वाधान में जनपद पंचायत रायपुर कचुंलियान सभागार में डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई जिसके मुख्य अतीथ के रूप में रायपुर डिवीजन के अनुविभागीय अधिकारी पीएस त्रिपाठी ने जन अभियान परिषद के कार्यकर्ताओं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब समाज क्षेत्र में काम करने वाले युवा सामाजिक कार्यकर्ता होडॉ भीमराव अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करें उनकी जयंती के अवसर पर उनको विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लेडॉ भीमराव अंबेडकर देश के महानविजनरी नेता थे और उन्होंने देश की एकता-अखंडता के लिए काम कियादेश को संविधान देकर सभी के मान सम्मान को प्रतिस्थापित कियाबाबा साहब राजनेता के साथ न्यायविद अर्थशास्त्री भी थेजल संरक्षण को लेकर उन्होंने महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। वो एक अर्थशास्त्री थे वो एक सामाजिक कार्यकर्ता और पर्यावरणविद् भी थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतीथ के रूप में जिला पंचायत के सदस्य लालमन त्रिपाठी ने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के विचारों को जन-जन के बीच ले जाकर सामाजिक सरोकारों को पूरा करने का संकल्पसभी कार्यकर्ता लें वही जिला पंचायत सदस्य बृजेश करी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि पूरा देश डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के प्रति श्रद्धावन है उनके विचार हम सब के लिए प्रेरणा स्रोत हैं बाबा साहब संविधान शिल्पी के साथ देश की एकता और अखंडता के लिए जो काम किया है वह अविस्मरणी है उन्होंनेदेश और समाज को नई दिशा दी

मुख्य वक्ता अधिवक्ता योगेंद्र शुक्ला ने कहा कि हमारे लिए यह गर्व की बात है कि बाबा साहब ने मध्यप्रदेश की धरती महू में जन्म लिया था। बाबा साहब के विचार संपूर्ण भारत के विकास के लिए थे। आज उनकी जयंती पर हम सभी ये संकल्प लें कि उनके विचारों को व्यवहारिक रूप में जमीन पर उतारने के लिए काम करेंगे।

आदर्श विज्ञान महाविद्यालय में डॉ. अंबेडकर जयंती पर संविधान और स्वाभिमान को समर्पित प्रेरणादायी आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आदर्श विज्ञान महाविद्यालय, रीवा में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती "हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान" विषयक भव्य और प्रेरणादायी कार्यक्रम के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में अनेक शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। इसके पश्चात् उपस्थित जनों ने उनके महान योगदान को नमन करते हुए राष्ट्रनिर्माण में उनके विचारों की प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रविन्द्र नाथ तिवारी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल संविधान निर्माता नहीं थे, वे शिक्षा, समानता और आत्मसम्मान की जीती-जागती प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि "डॉ. अंबेडकर जयंती केवल स्मरण का नहीं, संकल्प का दिन है। हमें उनके विचारों को आत्मसात कर समाज और राष्ट्र के उत्थान में योगदान देना चाहिए।"

मुख्य वक्ता डॉ. विवेक वर्मा ने डॉ. अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने विषम परिस्थितियों में शिक्षा को अपना हथियार बनाकर सामाजिक बदलाव की नींव रखी। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन इस बात का प्रमाण है कि यदि संकल्प दृढ़ हो, तो कोई भी बाधा मार्ग में नहीं आ सकती। डॉ. डी. पी. शुक्ला ने उन्हें आधुनिक भारत का सामाजिक वास्तुकार बताया, जबकि डॉ. संजीव दुबे ने कहा कि उनके विचार आज भी समाज के हर वर्ग के लिए प्रासंगिक और प्रेरणादायी हैं।

अन्य वक्ताओं में डॉ. जे. डी. प्रजापति, डॉ. नीरज वर्मा और डॉ. प्रीति विश्वकर्मा ने विद्यार्थियों को उनके आदर्शों का अनुकरण करने का आह्वान किया। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में यह कहा कि डॉ. अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से भारत को एक सशक्त, समानता-आधारित और न्यायप्रिय राष्ट्र बनाने की नींव रखी। कार्यक्रम के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने संविधान, सामाजिक समानता और डॉ. अंबेडकर के जीवनदर्शन पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता में पिंकी सौंधिया ने प्रथम, पल्लवी बसोर ने द्वितीय, सरस्वती मिश्रा ने तृतीय एवं प्रियांशी पांडे ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। साथ ही भाषण प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें पिंकी सौंधिया ने डॉ. अंबेडकर के विचारों पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत कर विशेष सराहना प्राप्त की। पूरे कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रदीप पटेल ने अत्यंत कुशलता और संयोजन के साथ किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। यह आयोजन न केवल डॉ. अंबेडकर के प्रति श्रद्धांजलि का प्रतीक बना, बल्कि विद्यार्थियों में संविधान, सामाजिक न्याय और शिक्षा के प्रति जागरूकता तथा प्रेरणा का स्रोत भी सिद्ध हुआ।

|| विचार ||

तमिलनाडु से देश एवं विश्व को संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तमिलनाडु विशेषकर रामेश्वरम की यात्रा, वहां के कार्यक्रम, भाषण आदि की जितनी गहन चर्चा देश में होनी चाहिए उतनी नहीं हुई। हमारे यहां राजनीति में तीखा विभाजन होने के कारण देश के सकारात्मक मुद्दे गौण हो जाते हैं और नकारात्मक, निहित स्वार्थ के तहत उठाए देश के लिए क्षतिकारक मुद्दे सर्वाधिक चर्चा में होते हैं। लंबे समय से दक्षिण को संपूर्ण भारत से अलग साबित करने और तमिल को बिल्कुल भारतीय संस्कृति से विलग के करने का अभियान चल रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं और उनकी सरकार लंबे समय से भारतीय संस्कृति, सभ्यता, अध्यात्म, सामाजिक जीवन आदि में वैदिक काल की एकता के तत्वों को सामने लाकर दिशा देने की कोशिश कर रही है। सामान्य तौर पर देखें तो प्रधानमंत्री मोदी ने वहां पंबन पुल का उद्घाटन किया, रेलवे को हरी झंडी दी, रामेश्वरम धाम में पूजा की तथा जनसभा को संबोधित किया। राजनीतिक दृष्टि से यह कार्यक्रम सामान्य माना जा सकता है। किंतु पूरी स्थिति समझने वाले इन कार्यक्रमों के दूरगामी गहरे प्रभाव शक्ति को स्वीकार करेंगे।

आखिर रामनवमी का दिन ही इस कार्यक्रम के लिए क्यों चुना गया होगा? रामनवमी भारत की दृष्टि से इस वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण दिवस बन गया। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामेश्वरम द्वीप और मुख्यभूमि को जोड़ने वाले पंबन समुद्र पुल का उद्घाटन कर रहे थे तो दूसरी ओर अयोध्या में निश्चित समय पर सूर्य की किरणें ठीक रामलला के मस्तक पर तिलक लगा रही थीं। इसके साथ प्रधानमंत्री ने उपग्रह से सेतु समुद्र को स्वयं देखने के साथ संपूर्ण विश्व को दिखाया। यह भारतीय सभ्यता, संस्कृति की कल्पनाशीलता और विज्ञान दोनों स्तरों पर उच्च सोपान का प्रमाण था। संपूर्ण दृश्य अद्भुत था। अगर तमिलनाडु को श्री राम, श्री कृष्ण, महादेव यानी शिव से अलग कर दें तो वहां बचेगा क्या?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी का साकार स्वरूप देश और विश्व के सामने रखने का प्रयास कर रहे थे। पंबन पुल भारत का पहला वर्टिकल सी लिफ्ट पुल है जो हमारे आधुनिक ज्ञान ,उच्च तकनीक अभियांत्रिकी की क्षमता का प्रदर्शन है। भारत ने पंबन ब्रिज के अलावा जम्मू-कश्मीर में विश्व के सबसे ऊंचे रेल पुलों में से एक चिनाब ब्रिज का निर्माण किया है तो मुंबई में देश का सबसे लंबा समुद्री पुल अटल सेतु और पूर्व में असम में बोगीबील ब्रिज का निर्माण हुआ है। रामेश्वरम को मुख्य भूमि से जोड़ने वाला यह पुल वैश्विक मंच पर भारतीय इंजीनियरिंग की बड़ी उपलब्धि के रूप में सामने है। इसके साथ रामेश्वरम-ताम्बरम (चेन्नई) नई ट्रेन सेवा की शुरुआत हुई तो मोदी ने एक कोस्ट गार्ड शिप को भी फ्लैग ऑफ किया।

पंबन पुल की लंबाई 2.08 किमी है। इसमें 99 स्पैन और 72.5 मीटर का वर्टिकल लिफ्ट स्पैन है जो 17 मीटर तक ऊपर उठता है, जिससे जहाजों की आवाजाही की सुविधा मिलती है और साथ ही निर्बाध ट्रेन संचालन सुनिश्चित होता है। इसके नीचे से बड़े जहाज भी आसानी गुजर सकेंगे और ट्रेनें तेजी से दौड़ सकेंगी। जब भी जहाज आएगा पुल अपने आप ऊपर उठ जाएगा।

भारत को पुन: विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने हेतु सांस्कृतिक संगठनों को भी विशेष भूमिका निभानी होगी

प्राचीनकाल में भारत विश्व गुरु रहा है इस विषय पर अब कोई शक की गुंजाईश नहीं रही है क्योंकि अब तो पश्चिमी देशों द्वारा पूरे विश्व के प्राचीन काल के संदर्भ में की गई रिसर्च में भी यह तथ्य उभरकर सामने आ रहे हैं। भारत क्यों और कैसे विश्व गुरु के पद पर आसीन रहा है, इस संदर्भ में कहा जा रहा है कि भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के नियमों के आधार पर भारतीय नागरिक समाज में अपने दैनंदिनी कार्य कलाप करते रहे हैं। साथ ही, भारतीयों के डीएनए में आध्यतम पाया जाता रहा है जिसके चलते वे विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अपने कार्यों को धर्म से जोड़कर करते रहे हैं। लगभग समस्त भारतीय, काम, अर्थ एवं कर्म को भी धर्म से जोड़कर करते रहे हैं। काम, अर्थ एवं कर्म में चूंकि तामसी प्रवृत्ति का आधिक्य बहुत आसानी से आ जाता है अत: इन कार्यों को तासमी प्रवृत्ति से बचाने के उद्देश्य से धर्म से जोड़कर इन कार्यों को सम्पन्न करने की प्रेरणा प्राप्त की जाती है। जैसे, भारतीय शास्त्रों में काम में संयम रखने की सलाह दी जाती है तथा अर्थ के अर्जन को बुरा नहीं माना गया है परंतु अर्थ का अर्जन केवल अपने स्वयं के हित के लिए करना एवं इसे समाज के हित में उपयोग नहीं करने को बुरा माना गया है। इसी प्रकार, दैनिक जीवन में किए जाने वाले कर्म भी यदि धर्म आधारित नहीं होंगे तो जिस उद्देश्य से यह मानव जीवन हमें प्राप्त हुए है, उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो सकेगी।

प्राचीनकाल में भारत में राजा का यह कर्तव्य होता था कि उसके राज्य में निवास कर रही प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट नहीं हो और यदि किसी राज्य की प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट होता था तो वह नागरिक अपने कष्ट निवारण के लिए राजा के पास पहुंच सकता था। परंतु, जैसे जैसे राज्यों का विस्तार होने लगा और राज्यों की जनसंख्या में वृद्धि होती गई तो उस राज्य में निवास कर रहे नागरिकों के कष्टों को दूर करने के लिए धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन भी आगे आने लगे एवं नागरिकों के कष्टों को दूर करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करने लगे। समय के साथ साथ धनाडय वर्ग भी इस पावन कार्य में अपनी भूमिका निभाने लगा। फिर, और आगे के समय में एक नागरिक दूसरे नागरिक की परेशानी में एक

दूसरे का साथ देने लगे। परिवार के सदस्यों के साथ पड़ौसी, मित्र एवं सहृदयी नागरिक भी इस प्रक्रिया में अपना हाथ बंटाने लगे। इस प्रकार प्राचीन भारत में ही व्यक्ति, परिवार, पड़ौस, ग्राम, नगर, प्रांत, देश एवं पूरी धरा को ही एक दूसरे के सहयोगी के रूप में देखा जाने लगा। वसुधैव कुटुंबकम, सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय, सर्वे भवंतु सुखिनः का भाव भी प्राचीन भारत में इसी प्रकार जागृत हुआ है। व्यक्ति से समष्टि की ओर, की भावना केवल और केवल भारत में ही पाई जाती है।

वर्तमान काल में लगभग समस्त देशों में चूंकि समस्त व्यवस्थाएं साम्यवाद एवं पूंजीवाद के नियमों पर आधारित हैं, जिनके अनुसार, व्यक्तिवाद पर विशेष ध्यान दिया जाता है और परिवार तथा समाज कहीं पीछे छूट जाता है। केवल मुझे कष्ट है तो दुनिया में कष्ट है अन्यथा किसी और नागरिक के कष्ट पर मेरा कोई ध्यान नहीं है। जैसे यूरोपीयन देश उनके ऊपर किसी भी प्रकार की समस्या आने पर पूरे विश्व का आह्वान करते हुए पाए जाते हैं कि जैसे उनकी समस्या पूरे विश्व की समस्या है परंतु जब इसी प्रकार की समस्या किसी अन्य देश पर आती है तो यूरोपीयन देश उसे अपनी समस्या नहीं मानते हैं। यूरोपीयन देशों में पनप रही आतंकवाद की समस्या पूरे विश्व में आतंकवाद की समस्या मान ली जाती है। परंतु, भारत द्वारा झेली जा रही आतंकवाद की समस्या यूरोप के लिए आतंकवाद नहीं है। यह पश्चिमी देशों के डीएनए में है कि विकास की राह पर केवल मैं ही आगे बढ़ूँ, जबकि भारतीयों के डीएनए में है कि सबको साथ लेकर ही विकास की राह पर आगे बढ़ा जाय। यह भावना भारत में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठनों में भी कूट कूट कर भरी है। इसी तर्ज पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। संघ के लिए राष्ट्र प्रथम है, और भारत में निवास करने वाले हम समस्त नागरिक हिंदू हैं, क्योंकि भारत में निवासरत प्रत्येक नागरिक से सनातन संस्कृति के संस्कारों के अनुपालन की अपेक्षा की जाती है। भले ही, हमारी पूजा पद्धति भिन्न भिन्न हो सकती है, परंतु संस्कार तो समान ही रहने चाहिए। इसी विचारधारा के चलते आज संघ देश के कोने कोने में पहुंचने में सफल रहा है। संघ ने न केवल राष्ट्र को एकजुट करने का काम किया है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के समय तथा उसके बाद राहत एवं पुनर्वास कार्यों में भी अपनी सक्रिय भूमिका सफलतापूर्वक निभाई है। इस वर्ष संघ अपना शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है परंतु संघ इसे अपनी उपलब्धि बिल्कुल नहीं मानता है बल्कि संघ के लिए तो शताब्दी वर्ष भी जैसे स्थापना वर्ष है और उसी उत्साह से अपने कार्य को विस्तार तथा सुदृढीकृत करते हुए आगे बढ़ने की बात कर रहा है। संघ का अपनी 100 वर्षों की स्थापना सम्बंधी उपलब्धि को उत्सव के रूप में मनाने का विचार नहीं है बल्कि इस उपलक्ष में संघ के स्वयंसेवकों से अपेक्षा की जा रही है कि वे आत्मचिंतन करें, संघ कार्य के लिए समाज द्वारा दिए गए समर्थन के लिए आभार प्रकट करें एवं राष्ट्र के लिए समाज को संगठित करने के लिए स्वयं को पुन: समर्पित करें। शताब्दी वर्ष में समस्त स्वयंसेवकों से अधिक सावधानी, गुणवत्ता एवं व्यापकता से कार्य करने का संकल्प लेने हेतु आग्रह किया जा रहा है।

आज संघ कामना कर रहा है कि पूरे विश्व में निवास कर रहे प्राणी शांति के साथ अपना जीवन यापन करें एवं विश्व में लड़ाई झगड़े का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। अत: हिंदू सनातन संस्कृति का पूरे विश्व में फैलाव, इस धरा पर निवास कर रहे समस्त प्राणियों के हित में है। इस संदर्भ में आज हिंदू सनातन संस्कृति को किसी भी प्रकार का प्रमाण देने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि अब तो विकसित देशों द्वारा की जा रही रिसर्च में भी इस प्रकार के तथ्य उभर कर सामने आ रहे हैं कि भारत का इतिहास वैभवशाली रहा है और यह हिंदू सनातन संस्कृति के अनुपालन से ही सम्भव हो सका है। अत: आज विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से हिंदू सनातन संस्कृति को पूरे विश्व में ही फैलाने की आवश्यकता है। परम पूज्य डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जी ने भी संघ की स्थापना के समय कहा था कि संघ कोई नया कार्य शुरू नहीं कर रहा है, बल्कि कई शताब्दियों से चले आ रहे काम को आगे बढ़ा रहा है। संघ का यह स्पष्ट मत है कि धर्म के अधिष्ठान पर आत्मविश्वास से परिपूर्ण संगठित सामूहिक जीवन के आधार पर ही हिंदू समाज अपने वैश्विक दायित्व का निर्वाह प्रभावी रूप से कर सकेगा। अत: हमारा कर्तव्य है कि सभी प्रकार के भेदों को नकारने वाला समरसता युक्त आचरण, पर्यावरण पूरक जीवनशैली पर आधारित मूल्याधिशिष्ट परिवार, स्व बोध से ओतप्रोत और नागरिक कर्तव्यों के लिए प्रतिबद्ध समाज का निर्माण करें एवं इसके आधार पर समाज के सब प्रश्नों का समाधान, चुनौतियों का उत्तर देते हुए भौतिक समृद्धि एवं आध्यात्मिकता से परिपूर्ण समर्थ राष्ट्रजीवन खड़ा करें। संघ का यह भी स्पष्ट मत है कि हिंदुत्व की रक्षा और उसका सशक्तिकरण ही विश्व में स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सरकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें!! का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी।

साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी।

उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता

बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, निश्चित रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ें। उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है।

उन्होंने पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने के लिए प्रेरित करने के अतिरिक्त लोगों को योग के माध्यम से अधिक प्रसन्नचित्त तथा अधिक सार्थक जीवन जीवन जीना सिखाने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देकर भारत ने अपनी सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लोगों को अपना परिवार माना है। श्री सद्गुरु ने अपने काम से निश्चित रूप से एक नया पर्यावरण आंदोलन पैदा करने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को जीवंत बनाया है। उन्होंने कहा, वह मिट्टी बचाओ जैसे अभियानों तथा अध्यात्मिकता के माध्यम से दिव्य संदेश दे रहे हैं।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें। मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा। अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी सराहनीय सोच है।

अमिट है कर्म का फल

यदि कर्म का फल तुरंत नहीं मिलता है तो यह नहीं समझना चाहिए कि उसके भले-बुरे परिणाम से हम सदा के लिए बच गये। कर्मफल ऐसा अमिट तथ्य है जो आज नहीं तो कल भुगतना ही पड़ेगा। कभी-कभी परिणाम में देर इसलिए होती है क्योंकि ईश्वर मानवीय बुद्धि की परीक्षा चाहता है कि व्यक्ति कर्तृतव्य धर्म समझने और निष्ठापूर्वक पालन करने लायक विवेक बुद्धि संचय कर सका है या नहीं। जो दंड भय बिना सदा सत्कर्मो तक सीमित रहता है, समझना चाहिए उसने सज्जनता की परीक्षा पास कर पशुता से देवत्व की ओर बढ़ने का शुभारंभ कर दिया। दंडभय से तो विवेक रहित पशु को भी अवांछनीय मार्ग पर चलने से रोका जा सकता है। मानवीय अंतःकरण की विकसित चेतना तभी अनुभव की जा सकेगी, जब वह कुमार्ग पर चलने से रोक सन्मार्ग के लिए प्रेरणा प्रदान करे।

यदि हर काम का तुरंत दंड मिलता और ईश्वर बलपूर्वक किसी मार्ग पर चलने के लिए विवश करता तो फिर मनुष्य भी पशु-श्रेणी में होता और उसकी स्वतंत्र आत्म चेतना विकसित हुई या नहीं, इसका पता नहीं चलता। ईश्वर या खुदा ने मनुष्य को भले-बुरे कर्म की स्वतंत्रता इसीलिए दी है कि वह विवेक विकसित कर भले-बुरे का अंतर सीख पथ निर्माण में समर्थ हो। विवेक व कर्तृतव्य परायणता दो ही कसौटी हैं मनुष्यता के आत्मिक स्तर विकसित होने की। इस विकास पर ही जीवनोद्देश्य की पूर्ति और मनुष्य जन्म की सफलता निहित है।

यदि ईश्वर को प्रतीत होता कि बुद्धियुक्त मनुष्य पशुओं जैसा ही मूर्ख रहेगा तो शायद उसने उसके लिए भी दंड की व्यवस्था सोची होती। झूठ बोलते ही जीभ में छाले पड़ने, चोरी करते ही हाथ में फोड़ा होने जैसे दंड की तुरत-फुरत व्यवस्था होती तो किसी के लिए भी दुष्कर्म करना संभव न होता लेकिन ऐसे में मनुष्य की स्वतंत्र चेतना, विवेक बुद्धि व आंतरिक महानता विकसित होने का अवसर ही न आता और आत्म विकास के बिना पूर्णता का लक्ष्य पाने की दिशा में प्रगति न होती। अतः परमेर के लिए उचित था कि मनुष्य को अपना सबसे बुद्धिमान और जिम्मेदार बेटा समझ उसे कर्म की स्वतंत्रता प्रदान करे और देखे कि वह मनुष्यता का उत्तरदायित्व संभालने में समर्थ है कि नहीं? वास्तव में परीक्षा के बिना वास्तविकता का पता कैसे चलता और सर्वश्रेष्ठ रचना मनुष्य में कितने श्रम की सार्थकता हुई, यह कैसे अनुभव होता!

मनोज कुमार को श्रद्धा के दो फूल

इससे पहले कि हम मनोज कुमार के प्रति श्रद्धांजलि अूपत करें सिने प्रेमियों को मनोज के पहले के चार दौरों को देख लेना चाहिए। वह दौर जिनका मैं साक्षी रहा हूं। पहला दौर मेरे बचपन में फिल्म देखने का था जब सोहराब मोदी, पृथ्वी राज कपूर, दादा मुनि अशोक कुमार, प्रेम अदीब और खूंखार आंखों वाले चंद्र मोहन का। इस दौर में ऐतिहासिक फिल्मों का चलन था परन्तु दादा मुनि अशोक कुमार ने तब सिनेमा को 'पारसी अभिनय शैली' से बाहर निकालने का अभिनय दुनिया के सामने रखा। इससे पहले के.एल. सहगल का दौर मैंने देखा नहीं। सुना है कि के.एल. सहगल शराब के नशे में चूर होकर गाया और अभिनय किया करते थे? सुना तो यह भी है कि के.एल. सहगल और इस समय की गायिका एक्ट्रैस नूरजहां और सुरेंद्र जोशी की बड़ी चर्चाएं रही हैं।

दूसरे फिल्मी दौर में दिलीप कुमार, राजकपूर और देवानंद की 'त्रिमूत' ने सिनेमा को यथार्थ के सुनहरे दौर में ला दिया। सिने दर्शकों को इस अभिनय की 'त्रिमूर्ति' ने रुलाया भी, हंसाया भी। अपने अभिनय की परिपक्वता से सामाजिक समस्याओं का हल भी जनता के सामने रखा। गजब का दौर था जिसमें संगीत और अभिनय से सिने प्रेमी गद्गद् हो उठे। इस अभिनय की 'त्रिमूर्ति' के समानांतर कुछ और प्रकार की शैली लेकर भारत भूषण, प्रेम नाथ, महिपाल, साहू मोदक और रंजन जैसे एक्टर्ज चलते रहे। अभिनय के तीसरे दौर में एक नई पीढ़ी शम्मी कपूर, धर्मेंद्र, जतिन्द्र, संजीव कुमार और मनोज कुमार जैसे कलाकारों ने खूब नाम कमाया। इसी दौर में दो अभिनेता राजेंद्र कुमार जिन्हें 'जुबली स्टार' कहा जाता था, पर्दे पर शोहरत हासिल कर गए। 1969 से 1975 तक राजेश खन्ना ने अभिनय की नई शैली को लेकर मुम्बई सिने उद्योग को अचंभित कर दिया। चौथे दौर में सलमान खान, आमिर खान और शाहरुख खान ने मुम्बई सिने उद्योग को अपने नाम कर लिया। हैरानी है कि एक्टर अक्षय कुमार कैसे खड़े रहे। चारों दौरों में मनोज कुमार उर्फ 'भारत कुमार' उर्फ हरि कृष्ण गोस्वामी एक विलक्षण प्रतिभा के धनी साबित हुए। इस पटकथा लेखक, निर्देशक, निर्माता ने सिने प्रेमियों को मोहित किया। अभिनय से देशभक्ति का जज्बा जन-जन में भर दिया।

अभिनय की एक नई और अद्भुत शैली के जन्मदाता स्वयं मनोज कुमार दिलीप कुमार जैसे 'ट्रैजेडी किंग' से प्रभावित थे। उन्होंने हरि कृष्ण गोस्वामी से अपना फिल्मी नाम भी दिलीप कुमार की फिल्म 'शबनम' से मनोज कुमार रख लिया। उनकी प्रारंभिक फिल्में 'शादी', 'फैशन', 'हनीमून', 'चांद', 'सहारा', 'पिया मिलन की रात', 'सुहाग सिंदूर', 'रेशमी रूमाल' फ्लॉप के बाद फ्लॉप होती चली गईं।

बाबा साहेब को सीएम और राज्यपाल ने दी श्रद्धांजलि,कांग्रेस ने कहा राजनैतिक पाखंड बताया...

25 अप्रैल तक भाजपा का विशेष अभियान...

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर. सोमवार को संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई जा रही है। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रामेन डेका ने राजभवन में और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सीएम हाउस में अंबेडकर की तस्वीर पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। बीजेपी सोमवार से ही अपने विशेष अभियान की शुरुआत करने जा रही है। इसके तहत नेता दलित बस्तियों में जाकर अंबेडकर का अपमान कांग्रेस ने किया यह बताएंगे। दूसरी तरफ कांग्रेस ने भाजपा के अभियान को राजनैतिक पाखंड बता रही है। सीएम साय ने कहा कि, बाबा साहेब का पूरा जीवन संघर्ष की अनुपम मिसाल है। डॉ. अम्बेडकर ने हमें एक ऐसा संविधान दिया जो भारत को लोकतंत्र, समानता और न्याय की मजबूत नींव प्रदान करता है। मुख्यमंत्री साय ने बाबा साहब के विचारों को युगप्रेरक बताते हुए कहा कि, आज का दिन हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम उनके आदर्शों पर चलें और एक समावेशी, समतामूलक और न्यायप्रिय समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। राज्यपाल डेका ने कहा कि, बाबा साहेब का जीवन संघर्षों से भरा हुआ था। उन्होंने सामाजिक भेदभाव, छूआछूत, असमानता के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम माना और खुद इसके उदाहरण बने। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने अनेक उपाधियां प्राप्त की और देश के पहले विधि मंत्री के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन किया। डॉ. भीमराव अम्बेडकर न्याय और समतामूलक समाज के निर्माण के लिए सदैव प्रयत्नशील रहे।

उन्होंने समाज के शोषित, पीड़ित और कमजोर तबके के लोगों के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज जब हम बाबा साहेब को याद कर रहे हैं, तब यह आवश्यक है कि हम केवल औपचारिकताएं न करें, बल्कि उनके विचारों को व्यवहार में उतारें। समता, बंधुत्व और न्याय के सिद्धांत को हमें समाज के हर स्तर पर स्थापित करना होगा। रविवार को रायपुर में सरकार ने जय भीम पदयात्रा निकाली थी। इस यात्रा और भाजपा के "अंबेडकर जयंती अभियान" को राजनीतिक नौटंकी करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि, यह पूरा कार्यक्रम भाजपा का राजनैतिक पाखंड है। असलियत यह है कि संघी भाजपाइयों के मन में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, संविधान और दलितों के प्रति हिकारत है, नफ़रत है। इन्हीं के पूर्वज आरएसएस और महासभा ने बाबा साहब के पुतले जलाए। 12 दिसंबर 1949 को घटित संघीयों का कुकृत्य इतिहास के पन्नों में दर्ज है। पूर्ववर्ती रमन सिंह की सरकार के समय अनुसूचित जाति वर्ग के आरक्षण में कटौती की गई कांग्रेस की सरकार ने नया विधायक लाकर उन्हें अधिकार देने के लिए सर्वसम्मति से पास करके राजभवन भेजा, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की दुर्भावना के चलते वह आरक्षण विधायक आज तक राजभवन में कैद है। विष्णुदेव साय सरकार जयंती अभियान और जय भीम पदयात्रा का पाखंड करने के बजाय अनुसूचित जाति वर्ग को उनके हक का आरक्षण, उनके अधिकार और उचित सम्मान दे। अंबेडकर जयंती पहली बार 14 अप्रैल 1928 को पुणे में मनाई गई थी। इसकी पहल सामाजिक कार्यकर्ता जनार्दन सदाशिव रणपिसे ने की थी। तब से यह परंपरा हर साल चलती आ रही है और आज यह न केवल भारत में बल्कि विश्वभर के कई देशों में बसे भारतीय समुदाय मनाती है। यह दिन 'भारतीय संविधान के जनक' डॉ. भीम राव के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। साल 1891 में जन्मे अंबेडकर न केवल भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता थे, बल्कि स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री, न्यायविद, अर्थशास्त्री और समाज सुधारक भी थे। 14 अप्रैल 2025 को डॉ. अंबेडकर की 135वीं जयंती है।

श्री हरि गौशाला को प्रारंभ करवाने के लिए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

हरि गौ शाला प्रारंभ करने, चिंतन मनन और सामूहिक रूप से सबकी भागीदारी सुनिश्चित करने ग्राम घनपुर के गौशाल में बैठक आयोजित हुई जिसमें स्वास्थ्य मंत्री समेत चिरमिरी नगर पालिक निगम के महापौर राम नरेश राय, सभापति संतोष सिंह, संघ संचालक कोरिया, विभाग संघ संचालक, सह विभाग संघ संचालक और पूर्व जिला अध्यक्ष, पूर्व जनपद अध्यक्ष समेत कई हस्तियां शामिल हुई। दरअसल 2016, 2017 में श्री हरि गौ शाला की नींव रखी गई थी किंतु अपरिहार्य कारणों से पूर्ण रूप से विस्तार नहीं हो सका था लेकिन गौशाला समिति ने अब आगामी कुछ माह में चालू करने का निर्णय लिया है। बताया गया कि श्री हरि गौशाला जन सहयोग के माध्यम एक बड़े प्रोजेक्ट के रूप में संचालित करने की मंशा गौशाला समिति रखती है। समिति इस गौशाला से आय अर्जन करने की बजाय निराश्रित, दुर्बल गायों की सेवा से पुण्य लाभ अर्जन करने का प्रयास है और गोबर तथा गौमूत्र से भारत में बनने वाले लगभग 300 प्रॉडक्ट्स तैयार कर गौशाला को स्वावलंबी बनाने की दिशा में आज की बैठक आयोजित की गई थी। इसके साथ ही बताया गया कि यहां सेवा भावना के साथ साथ किसानों को जैविक खेती से होने वाले फायदों की जानकारी देकर एक बड़ा प्रशिक्षण केंद्र में विस्तार करने की योजना है जिसका उपस्थित अतिथियों ने सहस्र सहयोग करने की बात स्वीकार की।

बिलासपुर में युवक को चाकू से गोदा, अधमरा कर फेंका

खेत में खून से लथपथ रात भर तड़पता रहा, दोस्तों ने रची साजिश

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

बिलासपुर. छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 3 युवकों ने मिलकर अपने ही दोस्त पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। उसे मरा समझकर खून से लथपथ खेत में फेंक कर भाग निकले। युवक पूरी रात घायल हालत में तड़पता रहा। सुबह लोगों ने देखकर पुलिस की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया। घटना कोटा थाना क्षेत्र की है।बताया जा रहा है कि, लोरमी निवासी सलमान अली रविवार को अपने दोस्तों के साथ कोटा आया था। जहां काम निपटाने के बाद लौटते समय गोबरपाट में रुक गए। इस दौरान दोस्तों ने उसे साथ में शराब पिलाई। देर रात तक युवक शराब पीते बैठे थे। बताया जा रहा है कि, शराब पीने के दौरान ही सलमान अली से उसके दोस्त बिट्टू वैष्णव व राकेश जायसवाल समेत अन्य ने विवाद किया। विवाद इतना बढ़ा कि दोस्तों ने मिलकर सलमान पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिससे वो खून से लथपथ होकर घायल हो गया। इस दौरान उसे मरा समझकर हमलावर युवक उसे खेत में फेंक कर भाग गए। इस बीच सलमान अली पूरी रात घायल स्थिति में खेत में पड़ा रहा और दर्द से कराहते रहा। सोमवार की सुबह लोगों ने खून से लथपथ युवक को देखकर पुलिस को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि, सलमान और उसके दोस्तों के साथ पुरानी रंजिश थी। इसी पुराने विवाद को लेकर उसके दोस्तों ने उसे मारने की साजिश रची, हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि विवाद का कारण क्या था। पुलिस घायल युवक से पूछताछ के बाद हमलावरों की तलाश में जुट गई है।

सीएम से मांगा बंगला,नहीं मिला तो ताला जड़ दिया

बीजेपी सांसद ने बस्तर को बना दिया रायगढ़ बाड़ा

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने रायपुर सिविल लाइन के बंगला नंबर B-5/12 (जिसे पहले बस्तर बाड़ा कहा जाता था) की डिमांड मुख्यमंत्री से की थी। इसके लिए 24 अगस्त 2024 को बाकायदा CM हाउस से नोटशीट भी भेजी गई थी। लेकिन गृह विभाग ने बंगला देने की जगह उसे SSP ऑफिस के लिए अलॉट कर दिया। इसके बाद जो हुआ, वो चौंकाने वाला था। सांसद साहब ने, बंगले में ताला जड़ा और 6 जगहों पर अपने नाम की नेमप्लेट भी लगा दी। ताकि किसी पुलिस वाले को शक न हो कि ये बंगला अब किसका है।ऊपर से बंगले का नाम भी बदल दिया - बस्तर बाड़ा से रायगढ़ बाड़ा कर दिया। असल में ये बंगला पहले भूपेश सरकार में कांग्रेस अध्यक्ष रहे मोहन मरकाम को मिला था। तब इस बंगले का नाम बस्तर बाड़ा था लेकिन उन्होंने 2024 में ये बंगला खाली कर दिया। फिर 30 जनवरी 2025 को गृह विभाग ने इसे SSP ऑफिस के लिए अलॉट किया। PWD ने मरम्मत भी करवा दी, रंग-रोगन हो गया। लेकिन जैसे ही काम खत्म हुआ - सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह वहां पहुंच गए और बंगले पर 'कब्जा' कर लिया। जब SSP लाल उम्मेद सिंह ने इस पर बात की, तो सांसद ने साफ कहा - "सीएम हाउस से मेरे लिए अनुशंसा हुई है, मैं खाली नहीं करूंगा।"PWD और जिला प्रशासन इस बंगले को SSP ऑफिस शिफ्ट करने के लिए पिछले दो साल से मशक्कत कर रहे हैं। इस दौरान छह बार चिट्ठी-पत्री हो चुकी, लेकिन सांसद न मानें हैं, न बंगला छोड़ने के मूड में हैं। "बस्तर बाड़ा हमें आवंटित किया गया था, लेकिन सांसद प्रवेश कर गए। अब हमने

धरना स्थल में बर्खास्त टीचर को बिच्छू ने काटा

एम्बुलेंस नहीं आई तो साथी बाइक से अस्पताल ले गए, 120 दिन से धरने पर बैठे शिक्षक...

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ में बर्खास्त बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षक पिछले 120 दिनों से नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पर समायोजन की मांग को लेकर डटे हुए हैं। इस बीच गुरुवार रात एक गंभीर घटना हो गई। धरना दे रही शिक्षिका प्रिया मंडावी को एक ज़हरीले बिच्छू ने डंक मार दिया। डंक लगते ही उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। साथी शिक्षकों ने तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर एम्बुलेंस बुलाने की कोशिश की, लेकिन आधे घंटे तक कोई वाहन नहीं पहुंचा।जब हालत बिगड़ने लगी, तो साथी उन्हें मोटरसाइकिल पर बैठाकर अभनपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। शिक्षिका को अभनपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें रायपुर के डॉ. अंबेडकर अस्पताल रेफर कर दिया। बताया गया कि दोपहर तक वे अचेत अवस्था में थीं। साथी शिक्षक पूरी रात परेशान रहे, लेकिन किसी सरकारी जिम्मेदार ने सुध नहीं ली।

धरने पर बैठे शिक्षक...

धरना स्थल पर मौजूद बाकी शिक्षकों ने बताया कि इससे पहले भी धरनास्थल और विश्राम भवन में सांप और बिच्छू दिख चुके हैं। बारिश हो या गर्मी, पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं यहां बेहद खराब स्थिति में हैं। कई बार प्रशासन को इसकी जानकारी दी गई, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं मिला। शिक्षकों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद डेढ़ साल नौकरी करने के बाद भी 2621 शिक्षक-शिक्षिकाओं को बर्खास्त कर दिया गया। अब जब तक उनकी बहाली और समायोजन नहीं होता, तब तक वे धरना स्थल पर डटे रहेंगे, चाहे कोई भी स्थिति यों न आ जाए।

कमेटी की समय सीमा तय हो- प्रदर्शनकारी

बर्खास्त सहायक शिक्षक लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार की बनाई कमेटी को लेकर शिक्षक अब समय सीमा तय करने की मांग कर रहे हैं, ताकि फैसला लटकता न रहे।

शराब दुकान में नौकरी लगवाने 4.20 लाख की ठगी

जॉब लगी न पैसे वापस मिले,5 युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

सूरजपुर जिले में 4 युवकों से शराब दुकान में नौकरी लगाने के नाम पर 4 लाख 20 हजार रुपए की ठगी की गई है। युवकों की जब नौकरी नहीं लगी तो पैसे वापस मांगे, लेकिन राशि नहीं लौटाने पर एसपी से शिकायत की गई है। अब पुलिस ने 5 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, रामानुजनगर निवासी घनश्याम साहू, रोहित साहू, अनिल साहू और राहुल साहू ने नौकरी लगाने के नाम पर 4 लाख 20 हजार रुपए की ठगी की शिकायत थाने में दर्ज कराई। रिपोर्ट में युवकों ने बताया कि सितंबर 2024 में शराब दुकान में नौकरी लगाने के नाम पर राकेश सिंह, नीरज पांडेय, ओमप्रकाश साहू, अंशू सिंह ने मिलकर रुपए लिए थे, लेकिन नौकरी नहीं लगी। शिकायतकर्ता घनश्याम साहू के साथ उसके साथी रोहित कुमार साहू अनिल साहू और राहुल साहू ने 4 सितंबर 2024 को राकेश साहू को 4 लाख 20 हजार रुपए दिया था। उन्हें ड्यूटी ज्वाइन कराने के लिए विश्रामपुर, शिव नंदनपुर शराब दुकान ले जाया गया। उन्हें एक दिन बाद आने को कहा गया, लेकिन आज तक उन्हें घुमाया जा रहा है। उन्हें पैसे भी वापस नहीं मिले। ठगी के शिकार हुए युवकों ने मामले की शिकायत सूरजपुर थाने में की, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो 10 जनवरी 2025 को युवकों ने सूरजपुर एसपी से मामले की शिकायत की। एसपी ने मामले में जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। एसपी के निर्देश पर सूरजपुर पुलिस ने मामले की जांच की और मामले में आरोपी ओमप्रकाश साहू, राकेश सिंह, राजेश साहू, नीरज पांडेय और अंशू के खिलाफ धारा 318 (4), 3(5) BNS का अपराध दर्ज किया है।

नियुक्ति के नाम पर लिया पैसा

शिकायतकर्ता घनश्याम साहू ने बताया कि, उसके गांव का निवासी ओम प्रकाश साहू कोरिया जिले के पटना शराब दुकान में काम करता है। उसने बताया कि, सूरजपुर जिले के शराब दुकान में 4 पद खाली हैं। ओम प्रकाश साहू के परिचित बैकुंठपुर निवासी प्रेम प्रकाश ने उसकी बात राकेश सिंह से कराई। उसने एक व्यक्ति की नियुक्ति के लिए एक लाख 20 रुपए मांगे।

रतनपुर में अब तक 27 कछुओं की मौत,लोगों ने जताया विरोध

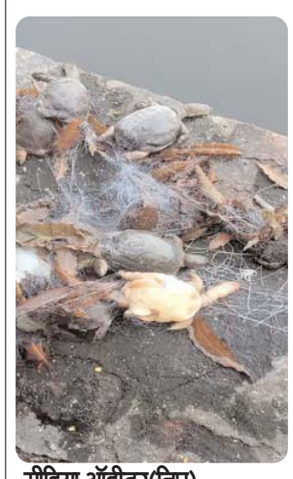

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

बिलासपुर छत्तीसगढ़ की धर्म नगरी रतनपुर में कछुओं की मौत पर बवाल नहीं थम रहा है। इस मामले में वन विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए महामाया ट्रस्ट के पदाधिकारियों को बचाने का आरोप लग रहा है। रविवार को स्थानीय लोगों ने रतनपुर बंद कराकर विरोध जताया और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। बता दें कि, बीते 25 मार्च को महामाया मंदिर परिसर स्थित कुंड में 23 कछुओं की मौत हो गई थी। वन विभाग की टीम अभी इस मामले की जांच कर रही थी कि 8 अप्रैल को मंदिर परिसर स्थित कल्पेश्वरा तालाब में फिर से 4 कछुओं की मौत हो गई। लगातार हो रही कछुओं की मौत और वन विभाग की कार्रवाई से नाखुश लोगों ने नाराजगी जताई है। लोगों का आरोप है कि वन विभाग के अफसर मामले को गंभीरता से लेने के बजाय केवल खानापूर्ति कर रहे हैं। इस पूरे मामले में वन विभाग की कार्रवाई पर लोगों का कहना है कि गंभीर मामले में केवल दो मछुआरों को आरोपी बनाकर जेल भेजा गया है। जबकि, तीन आरोपी फरार हैं। इसमें भी मंदिर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष केवल सतीश शर्मा को दोषी बताया गया है। हालांकि, वो भी फरार है।स्थानीय लोगों के मुताबिक, वन विभाग ने इस मामले में न तो ट्रस्ट के पदाधिकारियों से पूछताछ की और न ही किसी से जवाब तलब किया। जबकि, उपाध्यक्ष सतीश शर्मा ने अपने बयान में बताया है कि कुंड की सफाई समिति के निर्णय से हुआ है। ऐसे में जाहिर है कि अगर सतीश शर्मा को आरोपी बनाया गया है तो अन्य पदाधिकारियों को भी आरोपी बनाया जाना चाहिए। लेकिन, वन विभाग के अफसरों ने उन पर कोई कार्रवाई नहीं की है। इस घटना के विरोध में आक्रोशित लोगों ने रविवार को रतनपुर बंद रखा। इस दौरान सुबह से लेकर दोपहर तक स्थानीय लोग घूम-घूमकर दुकानों को बंद कराते रहे।

युवा व्यवसायी की कार हादसे मे मौत

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

मध्यप्रदेश के डोला में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ मनेंद्रगढ़ के रहने वाले नीरज तिवारी (26) की मौत हो गई। नीरज स्थानीय स्टोन क्रेशर व्यवसायी हरकेश तिवारी के पुत्र थे। वे कांग्रेस नेता और पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष कृष्णमुरारी तिवारी के भतीजे भी थे। शनिवार की सुबह हुई इस घटना में चार युवा घायल हुए थे। नीरज को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों की हर संभव कोशिश के बावजूद रविवार सुबह उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। नीरज अपने पिता के व्यवसाय को संभालने के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाते थे। उनके दोस्तों के मुताबिक, वे हमेशा मदद के लिए तैयार रहते थे। इस हादसे से पहले वे अपने एक मित्र के बीमार बच्चे के इलाज के लिए रायपुर गए हुए थे। सोमवार को आमाखेरवा मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। बड़ी संख्या में लोग श्रद्धांजलि देने पहुंचे। नीरज की असामयिक मृत्यु से पूरा शहर शोक में डूबा है। लोग परिवार को सांत्वना दे रहे हैं।

बच्चे की डूबने से मौत...12 घंटे बाद भी कार्रवाई नही

कांग्रेस बोली-रायपुर मेयर गुलदस्ता लेने में व्यस्त; मीनल चौबे बोलीं- 24 घंटे में बंद हों गड्ढे

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर के गुलमोहर पार्क में रविवार को निगम के गड्ढे में 3 बच्चे डूब गए, जिनमें से एक 7 साल के बच्चे दिव्यांश की मौत हो गई है। आज बच्चे के शव का अंतिम संस्कार किया गया। घटना के बाद से आक्रोशित लोगों ने गुलमोहर पार्क के बाहर धरना प्रदर्शन कर चक्काजाम किया। रविवार को यह हादसा ईडब्ल्यूएस कॉलोनी गुलमोहर पार्क, रामनगर में हुआ है। निगम की ओर से खोदे गए गड्ढे में 3 बच्चे गिर गए थे। स्थानीय लोगों की मदद से दो बच्चों को किसी तरह सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दोनों बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सीवरेज लाइन डालने के लिए खोदा गया गड्ढा खुला छोड़ दिया गया था। पाइपलाइन के लीकेज होने के कारण गड्ढा पानी से भर गया था। जब बच्चे पास में खेल रहे थे, तभी तीनों गड्ढे में जा गिरे। बताया जा रहा है कि सभी बच्चे 5 से 7 साल की उम्र के थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि गड्ढा खोदने के बाद उसे किसी भी तरह से न तो ढका गया और न ही वहां कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया था। हादसे के बाद लोग नगर निगम प्रशासन से जवाबदेही और सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। गुलमोहर पार्क वाली घटना से एक दिन पहले भी ऐसा ही हादसा हुआ। शनिवार की रात छत्तीसगढ़ नगर स्थित शीतला मंदिर के पास 3 साल का बच्चा खुले गड्ढे में गिर गया था। गनीमत रही कि सड़क से गुजर रहे एक बाइक सवार ने बच्चे को डूबता देख लिया और समय रहते बाइक सवार ने गड्ढे में कूदकर उसे बचा लिया। शीतला मंदिर के पास हुए हादसे में भी गड्ढा निगम की ओर से खोदा गया था। यहां गंदे पानी की शिकायत के बाद गड्ढा खोदा गया लेकिन उसे खुला ही छोड़ दिया गया था। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

काम पर निकली 2 महिलाओं को कार ने रौंदा

कंटेनर से टकराने के बाद एक की मौके मौत दूसरी महिला घायल

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

बिलासपुर में सोमवार सुबह तेज रफ्तार कार ने पैदल जा रही दो महिलाओं को टक्कर मार दी। जिसके बाद कार सड़क किनारे खड़ी कंटेनर से जा टकराई। इस हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरी महिला घायल है, जिसे सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। दोनों महिलाएं सफाईकर्मी है और वो रोज की तरह सुबह काम पर निकली थी। तभी यह हादसा हुआ। वहीं, घटना के बाद कार का ड्राइवर भाग गया। कार का एक हिस्सा बुरी तरह से डैमेज हो गया। टीआई एसआर साहू ने बताया कि घटना सुबह करीब 6.30 बजे की है। मुंगेली जिले की रहने वाली अंजू टंडन 42 रामा मैग्नेटो माल में सफाई का काम करती थी। रोज की तरह वह सुबह काम पर जाने के लिए पैदल निकली थी। तभी श्रीकांत वर्मा मार्ग स्थित रिलायंस डिजिटल के सामने पहुंची थी। इस दौरान एक अन्य महिला सकून बंजारे 40 भी पैदल चल रही थी। उसी समय पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने दोनों महिलाओं को ठोकर मार दी। इस हादसे में सफाई कर्मी महिला अंजू की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरी महिला सकुन गंभीर रूप से घायल हो गई। आसपास के लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया है। वहीं, मृत महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस दौरान अनियंत्रित कार सड़क किनारे खड़ी कंटेनर से जा टकराई। जिससे कार के सामने का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे के बाद आरोपी चालक कार छोड़कर फरार हो गया। पुलिस आरोपी चालक की तलाश कर रही है।

मुख्यमंत्री ने प्रोफेसर्स और छात्रों को भारतीय संविधान में आस्था रखने की शपथ दिलायी

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि आज भारतीय संविधान सभा के फाइनल प्रारूप समिति के अध्यक्ष बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती है, जिन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत को आजादी एक दिन में नहीं मिली। इसके लिये हमें वर्षों संघर्ष करना पड़ा। पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी से लेकर कई क्रांतिकारियों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर वर्षों की गुलामी की बेड़ियों से देश को आजाद कराया। भारत का संघर्ष काल एक हजार वर्ष से भी अधिक पुराना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को इंदौर में डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती एवं भारतीय संविधान सभा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर इंदौर के रवीन्द्र नाट्यगृह में आम

नागरिक शपथ विधि समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को भारतीय संविधान की लोकतांत्रिक परम्पराएं, राष्ट्र की एकता और अखण्डता को अक्षुण्ण बनाये रखने की शपथ दिलायी। छात्रों ने ''मेरा संविधान-मेरा भारत'' के उद्घोष लगाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्रों और प्रोफेसर्स के साथ संविधान विषय पर संवाद किया।

समारोह में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, डॉ. महेन्द्र सिंह, विधायक श्री मधु वर्मा और श्री रमेश मेंदोला, श्री अक्षय कांति बम, श्री सुमित मिश्रा, श्री नरेन्द्र सलूजा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

यूपी, राजस्थान समेत 7 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के तिरुनेलवेल्ली जिले में भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण अरुलमिगु शिवसैलानाथर मंदिर में रथ उत्सव में रुकावट आई। कुछ दिनों को आंधी-बारिश के बाद मौसम ने करवट ली है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, कल 15 अप्रैल से राजस्थान, गुजरात, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हीटवेव चलने की संभावना है। इससे तापमान 3-5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने आज सोमवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत 22 राज्यों में आंधी-तूफान और बारिश का अलर्ट जारी किया है। झारखंड के कुछ इलाकों में ओले भी गिर सकते हैं, जबकि ओडिशा में बिजली गिरने की आशंका है। राजस्थान-तेलंगाना के कुछ इलाकों में हीटवेव और गुजरात में उमस भरी गर्मी हो सकती है। राजस्थान के पश्चिमी जिलों में आज से हीटवेव का नया दौर शुरू होगा। तापमान में 6 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। जोधपुर, बीकानेर और शेखावाटी संभाग में भीषण लू चलने की आशंका है। इस दौरान पाकिस्तान बॉर्डर के लगे इलाकों में तापमान 46 डिग्री तक जा सकता है। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को फिर से 40 डिग्री की गर्मी का सामना करना होगा। बीते दिनों आंधी-बारिश से तापमान गिर गया था। सोमवार को तापमान 39 डिग्री के आसपास रहेगा, जबकि मंगलवार को 40 डिग्री के पार पहुंच जाएगा। 16 से 18 अप्रैल तक दिल्ली-एनसीआर में भीषण गर्मी का यलो अलर्ट है।

गुजरात में 1800 करोड़ की 300 किलो ड्रग्स जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात में इंडियन कोस्ट गार्ड ने 300 किलो ड्रग्स जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 1,800 करोड़ रुपए बताई जा रही है। जब्त ड्रग्स मेथामफेटामाइन हो सकता है। गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड और कोस्ट गार्ड ने 12-13 अप्रैल की रात ज्वाइंट ऑपरेशन के तहत पोरबंदर से 190 किमी दूर समुद्र से ड्रग्स की खेप को पकड़ा है। गुजरात एटीएस से मिली जानकारी के बाद कोस्ट गार्ड ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा की ओर सर्च के लिए जहाज भेजा था। अंधेरे के बीच कोस्ट गार्ड की टीम ने एक बोट को स्पॉट किया। बोट सवारों से पहचान बताने को कहा। इससे घबराए तस्करों ने ड्रग्स को समुद्र में फेंका और अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भाग निकले। कोस्ट गार्ड टीम ने समुद्र में फेंकी गई ड्रग्स को रेस्क्यू बोट की मदद से बाहर निकाला। बोट का कनेक्शन पाकिस्तान से होने की आशंका है। फिलहाल जांच के लिए जब्त की गई ड्रग्स को पोरबंदर में एटीएस को सौंप दिया गया है।

सलमान को फिर मिली धमकी घर में घुसकर मारेंगे, कार बम से उड़ाएंगे

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को फिर एक बार जान से मारने की धमकी मिली है। मुंबई के वर्ली स्थित ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट में अज्ञात शख्स ने वॉट्सएप मैसेज कर सलमान खान की कार को बम से उड़ाने की बात कही। रविवार देर रात भेजे गए इस मैसेज में लिखा है- हम सलमान खान को घर में घुसकर मारेंगे।

कर्नाटक में 5 साल की बच्ची से रेप की कोशिश,हत्या

हुबली (एजेंसी)। कर्नाटक में 5 साल की बच्ची से रेप की कोशिश, फिर उसकी हत्या करने के आरोपी को पुलिस ने रविवार रात एनकाउंटर में मार गिराया। मुठभेड़ में एक सब इंस्पेक्टर समेत 3 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। घटना हुबली की है। आरोपी ने दिन में बच्ची को उसके घर के पास से ही अगवा किया था। वह उसे एक सुनसान जगह बने शेड में ले गया। यहां रेप की कोशिश की। बच्ची की चीख सुनकर लोग इकट्ठा हो गए। घबराकर आरोपी ने गला घोंटकर बच्ची की हत्या कर दी और फरार हो गया। कुछ ही घंटों में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

तेलंगाना ने एससी आरक्षण को तीन ग्रुप में बांटा

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना सरकार ने सोमवार को अनुसूचित जाति के आरक्षण में बदलाव करने का आदेश जारी किया है। इस आदेश में स्ट समुदाय को तीन भागों में बांटा गया है। तेलंगाना ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इस आदेश की जानकारी जल संसाधन मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए दी। उन्होंने बताया- तेलंगाना सरकार ने अक्टूबर 2024 में हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज शमीम अख्तर की अध्यक्षता में

एक कमीशन का गठन किया था। इस कमीशन ने एससी समुदाय की 59 जातियों को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में 15 प्रतिशत के कुल आरक्षण के लिए तीन वर्गों में बांटने की सिफारिश की थी। इस कानून को लागू करने से पहले रविवार को सचिवालय में कैबिनेट की अंतिम बैठक हुई। सिफारिश को 8 अप्रैल को तेलंगाना के राज्यपाल की मंजूरी मिली थी। जिसके बाद इसे इसे 14अप्रैल को इसे लागू किया गया है। स्ट वर्ग को पहले की तरह 15% ही आरक्षण मिलेगा, लेकिन अब इसे अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा- अगर 2026 की जनगणना में एससी की जनसंख्या बढ़ती है, तो आरक्षण भी बढ़ाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने 1 अगस्त 2024 को राज्यों को इस तरह के वर्गीकरण के लिए मंजूरी दी थी।

आतंकी तहव्वुर से रोज 10 घंटे पूछताछ कर रही एनआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शनिवार को हुई की पूछताछ में एक कर्मचारी का नाम आया है, इसने राणा के कहने पर हेडली के लिए ऑपरेशन और लॉजिस्टिक में मदद की थी। 2008 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा से राष्ट्रीय जांच एजेंसी सोमवार को चौथे दिन पूछताछ जारी है। मुख्य जांच अधिकारी जया रॉय के नेतृत्व में एनआईए के अधिकारियों की एक टीम राणा से रोज 8 से 10 घंटे तक पूछताछ कर रही है। सूत्रों का कहना है कि पूछताछ के दौरान राणा सहयोग भी कर रहा है। पिछले 4 दिन में राणा ने केवल तीन चीजें मांगी हैं - एक कलम, कागज या नोटपैड और कुरान। ये तीनों उसे दिए गए हैं। हालांकि उसने अभी तक किसी खास तरह के खाने की मांग नहीं की है। इसलिए उसे स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल के मुताबिक दूसरे आरोपियों को दिया जाने वाला खाना मिल रहा है। राणा को सीजीओ कॉम्प्लेक्स में आतंकवाद विरोधी एजेंसी के हेडक्वॉर्टर के अंदर एक हाई सिक्योरिटी सेल में रखा गया है। यहां चौबीसों घंटे सुरक्षाकर्मी उसकी निगरानी करते हैं। 10 अप्रैल को तहव्वुर को स्पेशल विमान से अमेरिका से भारत लाया गया था।

वक्फ कानून पर हिंसा-24 परगना में पुलिस की गाड़ियां जलाई

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। दक्षिण 24 परगना के शोणपुर इलाके में पुलिस से झड़प के बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की गाड़ियों में आग लगा दी। पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा के बाद अब 24 परगना में प्रदर्शनकारियों और पुलिस की झड़प हुई। बसंती हाईवे पर बैरमपुर में पुलिस ने इंडियन सेक्युलर फ्रंट के कार्यकर्ताओं को लेकर जा रही एक गाड़ी को रोका, जिससे अशांति फैल गई। दरअसल, भांगर, मिनाखा, संदेशखाली से आईएसएफ कार्यकर्ता और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान सुबह 10 बजे हाईवे जाम कर दिया था। रामलीला मैदान जा रहे कार्यकर्ताओं ने पुलिस को घेर लिया। इन्हें तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। हाईवे पर हालात काबू में आ गए, लेकिन उग्र भीड़ ने शोणपुर में पुलिस की 5

बाइक में तोड़फोड़ की और उनमें आग लगा दी। कैदियों को ले जाने वाली वैन को पलटा दिया और उसमें भी तोड़फोड़ की। ये कार्यकर्ता इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के विधायक नौशाद सिद्दीकी के कहने पर कोलकाता के रामलीला मैदान में होने वाली जनसभा में शामिल होने जा रहे थे।

प्रताप सिंह बाजवा को मिली एफआईआर की कॉपी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू के बाद मुश्किलों में घिर गए हैं। मोहाली के स्टेट साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बाजवा के खिलाफ बीएनएस की धारा 197 (1) (डी) और 353 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं, पुलिस ने उन्हें आज दोपहर 12 बजे पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वह पेश नहीं हुए। इसके बाद बाजवा के वकीलों ने मोहाली पहुंचकर पुलिस

अधिकारियों से मुलाकात की। साथ ही कहा कि वह आज पेश नहीं हो सकते। ऐसे में उन्हें एक दिन का समय दिया जाए। वहीं, अधिकारियों ने इस पर सहमति जताई।

आंध्र प्रदेश की पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 8 मरे

बेंगलुरु (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले की एक पटाखा फैक्ट्री में रविवार को आग लगने से धमाका हो गया। इससे फैक्ट्री में काम कर रहे आठ लोगों की जान चली गई। इसके अलावा सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। फायर ऑफिसर डी निरंजन रेड्डी ने बताया- हमें दोपहर करीब 1 बजे विस्फोट की सूचना मिली। दमकल की तीन गाड़ियां और 50 फायर फाइटर्स तुरंत मौके पर भेजे गए। इंसानी गलती की वजह से फैक्ट्री में विस्फोट होने की आशंका है। वहीं, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और गृह मंत्री बात करके विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। पूर्व सीएम ने कार्यकर्ताओं से मदद करने

को कहा आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वॉयएसआर कांग्रेस पार्टी के मुखिया जगन मोहन रेड्डी ने हादसे पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने राज्य सरकार से पीड़ितों और उनके परिवारों की मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने पार्टी नेताओं को प्रभावित परिवारों से मिलने और जरूरी सहायता मुहैया कराने को कहा है।

जैन मुनियों पर लाठी-डंडे से हमला, लहूलुहान किया

जावद (एजेंसी)। नीमच जिले के सिंगोली थाना क्षेत्र में तीन जैन मुनियों पर छह बदमाशों ने हमला कर दिया। जैन मुनि विश्राम करने रविवार रात सिंगोली मार्ग स्थित हनुमान मंदिर में रुके थे। रात करीब 12 बजे आरोपियों ने लूट के इरादे से लाठी और धारदार हथियार से हमला किया। घटना के बाद दो बदमाशों को तो लोगों ने मौके पर ही पकड़ लिया। हमले में घायल मुनियों ने अस्पताल जाने से इनकार कर दिया, जिसके बाद सभी को जैन स्थानक भवन में रखा गया है। घटना के बाद जैन समाज की ओर से सिंगोली नगर बंद रखा गया। शाम को जैन समाज ने मौन जुलूस निकालकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा और आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। वहीं, पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों का जुलूस निकाला।

मायावती ने 40 दिन बाद भतीजे आकाश को माफ किया

उत्तर प्रदेश (एजेंसी)। आकाश आनंद को उनकी बुआ और बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को माफ कर दिया। बसपा से निकाले जाने के 41वें दिन आकाश की फिर से पार्टी में एंट्री हो गई है। आकाश पार्टी से हटाए जाने से पहले नेशनल कोआर्डिनेटर और बसपा प्रमुख के उत्तराधिकारी थे। मायावती ने साफ कर दिया है कि जब तक वे स्वस्थ्य रहेंगी, किसी को भी उत्तराधिकारी

नहीं बनाएंगी। मायावती ने यह भी कहा- आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ की गलतियां माफी के लायक नहीं हैं। उन्होंने गुटबाजी और पार्टी विरोधी काम किए। आकाश के करियर को भी बर्बाद करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। माफी मिलने के दो घंटे पहले आकाश आनंद ने मायावती से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी थी। आकाश मायावती के सबसे छोटे भाई आनंद के बेटे हैं। मायावती ने उन्हें 15 महीने में 2 बार उत्तराधिकारी घोषित किया, लेकिन दोनों ही बार हटा दिया था।

राम मंदिर के मुख्य शिखर पर कलश स्थापित

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में सोमवार सुबह राम मंदिर के मुख्य शिखर पर कलश की स्थापना की गई। कलश की पहले पूजा की गई। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार और हवन-पूजन के साथ इसे मुख्य शिखर पर रखा गया। परकोटे और सप्त ऋषि मंदिरों की मूर्तियां आज जयपुर से अयोध्या पहुंच सकती हैं। राम मंदिर परिसर में लगने वाली सभी मूर्तियां 30 अप्रैल तक मंदिरों में रख दी जाएंगी। राम मंदिर की सुरक्षा के लिए 4 किमी लंबी दीवार बनाने का काम शुरू होगा। डेढ़ साल में ये दीवार बनकर तैयार होगी। राम मंदिर निर्माण समिति की दूसरे दिन की बैठक के बाद ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने ये जानकारी दी। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा- इंजीनियर इंडिया लिमिटेड राम मंदिर की सुरक्षा दीवार बनाएगी। दीवार की ऊंचाई और मोटाई कितनी होगी, इस पर फैसला लिया जा रहा है। मिट्टी की जांच के बाद निर्माण शुरू किया जाएगा।

कांग्रेस विधायक इंदिरा मीना ने भाजपा नेता से की मारपीट

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। सवाईमाधोपुर के बौंली में अंबेडकर प्रतिमा पर नाम की पट्टिका लगाने को लेकर विवाद हो गया। बामनवास से कांग्रेस विधायक इंदिरा मीना ने बौंली भाजपा मंडल अध्यक्ष हनुमत दीक्षित से हाथापाई की। कॉलर पकड़कर खींचा और शर्ट फाड़ दी। धमकाते हुए बोलीं- बीजेपी है तो क्या गुंडाराज हो गया क्या ? जब एसडीएम ने कहा- इस मामले को दिखवाएंगे और ये लोकार्पण है, तो विधायक भड़क गईं। वह बोलीं-तुमने भी दारू पी रखी है क्या ? मामला रविवार रात 2 बजे का है। करीब 2 घंटे तक ये पूरा विवाद चला। मामल बढ़ता देख एसडीएम चंद्र प्रकाश वर्मा, एएसपी नीलकमल, एसएचओ राधा रमन गुप्ता मौके पर पहुंचे और दोनों ही पक्षों से समझाइश की। अभी दोनों पट्टियों को सुरक्षित जगह पर रख लिया है।

दरअसल, बौंली में 2 साल पहले बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण हुआ था। यहां पीडब्ल्यूडी की ओर से चौराहे का निर्माण करवाया जा रहा है।

दो साल पहले बामनवास विधायक इंदिरा मीना की ओर से इसका शिलान्यास किया गया था। इस पट्टिका पर उनके साथ पूर्व सीएम अशोक गहलोत का नाम भी था, जिसे रविवार रात को हटा दिया गया था।

इस दौरान बौंली भाजपा मंडल अध्यक्ष हनुमत दीक्षित के साथ प्रधान कृष्ण पोसवाल भी थे। बताया जा रहा है कि इंदिरा मीणा और पालिका अध्यक्ष कमलेश देवी जोशी के नाम की पट्टिका प्रतिमा के नीचे लगाई जानी थी। प्रधान और बौंली मंडल अध्यक्ष ने इस पर आपत्ति की और वहां से उसे हटा दिया।

पहली बार 6 महिलाएं अंतरिक्ष की सैर कर लौटीं

टेक्सास (एजेंसी)। मशहूर हॉलीवुड सिंगर कैटी पेरी, अमेरिकी बिलिनेयर जेफ बेजोस की मंगेतर लॉरेन सांचेज की अंतरिक्ष की सैर पर रवाना हो गई हैं। उनका स्पेस मिशन शाम 7 बजकर 2 मिनट पर लॉन्च हुआ।

इस यात्रा में उनके साथ चार और महिलाएं भी गई हैं। इनमें टीवी प्रेजेंटर गेल किंग, मानवाधिकार कार्यकर्ता अमांडा गुयेन, फिल्म निर्माता केरियन फ्लिन और नासा की पूर्व रॉकेट साइंटिस्ट आइशा बोवे शामिल हैं। खास बात ये है कि 1963 के बाद अंतरिक्ष यात्रा पर जाने वाला ये पहला ऑल विमेन क्रू है। 1963 में रूसी

इंजीनियर वेलेंटिना तेरेश्कोवा ने अकेले अंतरिक्ष की यात्रा की थी। जेफ बेजोस की ब्लू ओरिजिन कंपनी का रॉकेट इस क्रू को अंतरिक्ष लेकर गया है। ये यात्रा 11 मिनट की होगी। यह मिशन ब्लू ओरिजिन के न्यू शेपर्ड प्रोग्राम का हिस्सा है, जिसे एनएस-31 नाम दिया गया है।

एआईएफएफ ने एशियाई कप 2031 के लिए बोली लगायी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने एएफसी एशियाई कप 2031 की मेजबानी के लिए बोली लगायी है। भारत सहित टूर्नामेंट के सात देशों ने इस टूर्नामेंट के लिए बोली लगायी है। इसमें एक संयुक्त बोली भी है। कुआलालंपुर में एएफसी कार्यकारी समिति की बैठक में एएफसी अध्यक्ष शेख सलमान बिन इब्राहिम ने कहा है कि 27 नवंबर 2024 को सदस्य संघों को भेजे गए निमंत्रण के बाद एक संयुक्त बोली सहित 7 बोलियां मिली हैं। इब्राहिम ने कहा है कि भारत के अलावा, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और कीर्गिस्तान ने भी बोली पेश की है। वहीं ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने संयुक्त बोली लगायी है।

सलमान ने कहा कि जिस प्रकार से टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए कई देशों के फुटबॉल संघ आगे आये हैं। उससे पता चलता है कि ये टूर्नामेंट आगे बढ़ रहा है। कतर में 2023 सत्र में मुकाबले देखने भारी तादाद में लोग पहुंचे थे। वहीं बोली लगाने वाले सभी संघों के साथ ही एएफसी आवश्यक दस्तावेजों के साथ सलाह कर मेजबानी का फैसला करेगा। इस बातचीत के लिए अप्रैल माह के अंत में एक कार्यशाला भी रखी जाएगी। मेजबानी पर अंतिम फैसला साल 2026 में होगा।

अफ़ग़ान महिला क्रिकेटरों की सहायता के लिए विशेष टास्क फोर्स बनाएगी आईसीसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अब अफ़ग़ानिस्तान की विस्थापित महिला क्रिकेट क्रिकेटरों की सहायता के लिए आगे आई है। आईसीसी ने इन महिला क्रिकेटरों की सहायता और उनके विकास के लिए एक विशेष टास्क फोर्स बनाने की बात कही है। आईसीसी की इस पहल से इन महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

इससे उनके खेल और व्यक्तिगत विकास में सहायता मिलेगी। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने सोशल मीडिया ये ये जानकारी दी है। शा ने कहा, मुझे आईसीसी की ओर से यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हमने बीसीसीआई, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के साथ मिलकर एक अहम फैसला लिया है। इसके तहत ही हम अफ़ग़ान महिला क्रिकेटरों को उनके क्रिकेट और विकास की यात्रा में सहायता देंगे। आईसीसी के अनुसार यह टास्क फोर्स इस महिला क्रिकेटरों को न केवल आर्थिक सहायता देगी, बल्कि खिलाड़ियों को कोचिंग, प्रशिक्षण सुविधाओं के साथ ही मार्गदर्शन भी उपलब्ध करायेगी। इसके लिए आईसीसी एक विशेष कोष बनाएगा। ये सीधे तौर पर इन खिलाड़ियों को आर्थिक सहयोग प्रदान करेगा, जिससे ये विस्थापित महिला क्रिकेट अपना खेल जारी रख सकें। आईसीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस टास्क फोर्स के ज़रिए इन खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं, कोचिंग प्रोग्राम और मानसिक रूप से मज़बूत बनने के लिए जरुरी सलाह भी दी जाएगी।

धोनी अब संन्यास लेकर कमेंट्री करें-हेडन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में रहे मैथ्यू हेडन ने कहा है कि विकेटकीपर-बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी को अब संन्यास लेकर कमेंट्री करनी चाहिये। हेडन ने कहा कि धोनी अब अपने करियर के अंतिम चरण में हैं। इसलिए उन्हें वास्तविकता को स्वीकार करना चाहिये। आईपीएल के इस सत्र में धोनी का प्रदर्शन अब तक उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है और वह एक भी मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। धोनी बल्लेबाज के लिए निचले क्रम पर भी उतरते हैं। इसके पीछे का कारण कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने ये बताया है कि धोनी का शरीर अब पहले जैसा नहीं है , वहीं हेडन का माना है कि धोनी को संन्यास के बाद कमेंट्री करनी चाहिये। इस पूर्व क्रिकेटर का माना है कि धोनी ने अब लय खो दी है।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान धोनी के माता-पिता की मौजूदगी ने उनके संन्यास की अटकलें ते हुई थी पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। इसका कारण है कि धोनी को टीम ही नहीं छोड़ रही है। रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने से उन्हें उन्हें एक बार फिर कप्तानी संभालनी पड़ रही है।

अफगान महिला क्रिकेटर्स के लिए नई पहल, आईसीसी और बीसीसीआई समेत इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट बोर्ड ने मिलाया हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने अफगानिस्तान की विस्थापित महिला क्रिकेटर्स की सहायता के लिए रविवार को एक समर्पित टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की। अफगानिस्तान की कई महिला क्रिकेटर अब ऑस्ट्रेलिया में निर्वासन में रह रही हैं। इसके लिए खेल की सर्वोच्च संस्था ने बीसीसीआई और इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट बोर्ड के साथ हाथ मिलाया है। आईसीसी ने ऐतिहासिक पहल में क्रिकेट के तीन सबसे प्रभावशाली बोर्ड बीसीसीआई, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ हाथ मिलाया है ताकि इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उनके क्रिकेट और व्यक्तिगत विकास दोनों यात्राओं में सहायात मिल सके। इस पहले के तहत आईसीसी प्रत्यक्ष मौद्रिक सहायता प्रदान करने के लिए एक समर्पित कोष स्थापित करेगा, जिससे कि ये सुनिश्चित हो सके कि इन क्रिकेटर्स के पास वे संसाधान हों जो उन्हें खेलने जारी रखने के लिए आवश्यकता है। आईसीसी ने विज्ञप्ति में कहा कि इसके साथ ही एक मजबूत। इसमें उन्नत कोचिंग, विश्व स्तरीय सुविधाएं और उन्हें अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने में मदद करने के लिए अनुकूलित मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इस पहले पर आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा कि, इंटरनेशनल क्रिकेट में हम समावेशियता को बढ़ावा देने और ये सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हर क्रिकेटर को अपने हालात की पहवाह किए बिना चमकने का मौका मिले। हमारे सहयोग से इस कार्यबल और सहायता कोष को शुरू करने पर गर्व है जिसके साथ व्यापक हाई परफॉर्मेंस प्रोग्राम भी होगा ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके कि अफगानिस्तान की विस्थापित महिला क्रिकेटर खेल में अपनी यात्रा जारी रख सकें।

ऋतुराज की जगह आयुष को शामिल करेंगी सीएसके, पृथ्वी की वापसी का सपना टूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम कप्तान ऋतुराज गायकवाड के चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद उनकी जगह पर मुंबई के उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को शामिल करेगी। सीएसके के इस कदम से खराब दौर से गुजर रहे पृथ्वी शॉ को करारा लगा है।

वहीं इससे पहले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान के श्रीकांत ने कहा था कि सीएसके को ऋतुराज की जगह पर पृथ्वी को शामिल करना चाहिये पर इस बल्लेबाज के खराब फार्म को देखते हुए सीएसके इसके लिए तैयार नहीं है। जिससे पृथ्वी की आईपीएल में वापसी की उम्मीदें भी समाप्त हो गयी हैं। इसी को देखते हुए. सीएसके इस साल ईरानी कप मैच में मुंबई की ओर से फर्स्टक्लास डेब्यू करने वाले आयुष को शामिल करने की दिशा में काम कर रही है।

सीएसके प्रबंधन की ओर से कहा गया, आयुष कुछ दिनों में टीम से जुड़ेंगे। इस रिपोर्ट में कहा गया, उन्हें तुरंत फ्रेंचाइजी में शामिल होने के लिए कहा गया है पर टीम के साथ जुड़ने में उन्हें कुछ समय लगेगा। आयुष इससे पहले हुई नीलामी में नहीं बिके थे जबकि उनका आधारमूल्या 30 लाख रुपये था। फ्रेंचाइजी ने म्हात्रे को चेन्नई में ट्रायल के लिए बुलाया जिसमें गुजरात के उर्विल पटेल और उत्तर प्रदेश के सलमान नज़र भी शामिल थे।

पृथ्वी का नाम भी सामने आया पर प्रबंधन ने गायकवाड़ के विकल्प के रूप में आयुष को शामिल किया। इस उभरते हुए क्रिकेटर ने पिछले साल घरेलू डेब्यू के बाद से ही नौ फर्स्टक्लास और सात लिस्ट ए मैच खेले हैं। उन्होंने रेड-बॉल क्रिकेट में दो शतक और 50 ओवर के प्रारुप में दो शतक लगाये हैं।

आरसीबी के खिलाफ हार से निराश रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल 2025 अभी तक अच्छा नहीं रहा है। टीम को आरसीबी के खिलाफ 9 विकेट से हार झेलनी पड़ी। राजस्थान को ये हार अपने ही घर जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में मिली। रॉयल्स की ये इस सीजन की चौथी हार है। इस हार के बाद राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन काफी निराश दिखे हैं। उन्होंने हार के बाद अपनी टीम की कमियां गिनाई हैं साथ ही बताया है कि कहां टीम से चूक हुई है। राजस्थान ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट खोकर 173 रन बनाए। आरसीबी ने इस टारगेट को 17.3 ओवरों में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। विराट कोहली ने नाबाद 62 रनों की पारी खेली जिसमें चार चौके और दो छक्के मारे। फिल साल्ट ने 33 गेंदों पर पांच चौके और 6 छक्कों की मदद से 65 रन बनाए और मैन ऑफ द मैच बने।

वहीं मुकाबले के बाद संजू सैमसन ने जयपुर की पिच पर 170 से ज्यादा का स्कोर अच्छा स्कोर था, लेकिन कोहली और साल्ट ने जिस तरह की बल्लेबाजी की वो बेहतरीन है। संजू ने कहा कि, धीमी विकेट पर टॉस हारने के बाद 170 का स्कोर अच्छा स्कोर था। यहां पावरप्ले में बल्लेबाजी करना मुश्किल था। हम जानते थे कि सॉल्ट और कोहली हम पर शुरू से ही प्रहार करेंगे। वह पावरप्ले में ही मैच जीत गए थे।

संजू जानते थे कि कोहली और साल्ट तेजी से रन बनाएंगे, लेकिन इन दोनों के खिलाफ उन्होंने कोई खास प्लान तैयार नहीं किया और न ही कोई बैकअप लेकर आए कि अगर ये दोनों चल गए तो टीम को क्या करना होगा। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की।

विराट कोहली ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाले बने दुनिया के दूसरे बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरसीबी के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने रविवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अनोखा काम कर डाला। कोहली ने इस मैच में बनाई फिफ्टी लेकिन वह इसी के साथ एक खास सेंचुरी पूरा कर गए। इसी के साथ वह एक खास लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। कोहली ने 15वें ओवर की तीसरी गेंद पर बेहतरीन छक्का मारा। वानिंदू हसरंगा ने गेंद ऊपर फेंकी जिसे कोहली ने आगे निकलकर दमदार छक्का मार दिया। ये कोहली की इस सीजन की तीसरी फिफ्टी है। इस फिफ्टी के साथ

ही कोहली ने कमाल का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

कोहली ने छक्के से अपने 50 रन पूरे किए लेकिन जमा उन्होंने 100 भी दिया। दरअसल, ये कोहली टी20 क्रिकेट में 100वां अर्धशतक है। यानी उन्होंने क्रिकेट के इस सबसे छोटे फॉर्मेट में अर्धशतकों का शतक पूरा कर लिया है। वह ऐसा करने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर ही टी20 में अर्धशतकों का शतक बना पाए हैं। कोहली ने 405 मैचों की 388 पारियों में ये काम किया है।

रोहित शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा आईपीएल 2025 में बड़ी पारी खेलने को तरस गए हैं। वह रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी कोई खास धमाल नहीं मचा सके। उन्होंने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में 12 गेंदों में 18 रन बनाए, जिसमें दो चौके और एक सिक्स शामिल हैं। उन्हें युवा स्पिनर विप्रज निगम ने पांचवें ओवर में एलबीडब्ल्यू आउट किया। हालांकि, एमआई के पूर्व कप्तान रोहित ने अपनी छोटी पारी के दौरान एक खास कारनामा अपने नाम किया है। वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 50 छक्के जड़ चुके हैं। दरअसल, हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित आईपीएल में किसी एक टीम के खिलाफ 50 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय प्लेयर बन गए हैं। उन्होंने दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज एमएस धोनी को पीछे छोड़ते हुए एक रिकॉर्ड अपने नाम किया। धोनी ने आरसीबी के खिलाफ अब वह 49 सिक्स

उड़ाए हैं। वहीं, आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली लिस्ट में सयुंक्त रूप से तीसरे पायदान पर हैं। कोहली ने चेन्नई सुपर किंग्स के सामने 43 सिक्स मारे हैं। दिल्ली फ्रेंचाइजी का हिस्सा केएल राहुल ने आरसीबी के खिलाफ 43 छक्का ठोकने का कमाल किया है।

मैच की बात करें तो मुंबई ने दिल्ली के सामने निर्धारित 20 ओवर में 205/5 का स्कोर खड़ा किया। रोहित और रियान रिकेलटन के (25 गेंदों में 41, पांच चौके और दो सिक्स) ने पहले विकेट के लिए 47 रनों की पार्टनरशिप की। रोहित मौजूदा सीजन में पांच मैचों में 56 रन ही जोड़े सके हैं। रोहित के पवेलियन लौटने के बाद सूर्यकुमार यादव (28 गेंदों में 40, पांच चौके, दो सिक्स) ने अच्छी पारी खेली। बीच के ओवरों में विकेट गिरने से लग रहा था कि मुंबई 200 रन तक नहीं पहुंच सकेगी लेकिन तिलक वर्मा और नमन धीर ने 62 रन की साझेदारी करके विशाल स्कोर बनाया।

मुंबई के खिलाफ करुण नायर ने 22 गेंदों में मचाया तूफान, जसप्रीत बुमराह की जमकर की धुलाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ महीनों में भारतीय क्रिकेट में जिस एक खिलाड़ी का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में रहा है, वो है करुण नायर। करीब 7-8 साल से टीम इंडिया से बाहर चल रहे कर्नाटक के इस बल्लेबाज ने बीते घरेलू सीजन में रनों का अंबार लगाकर जोरदार वापसी की और पूरे देश के क्रिकेट फैंस का ध्यान खींचा। उनके इस शानदार प्रदर्शन का ही नतीजा है कि 3 साल के बाद उन्हें आईपीएल में भी अपना जलवा दिखाने का मौका मिला और पूरे 1077 दिन बाद अपना पहला आईपीएल मैच खेल रहे करुण ने सिर्फ 22 गेंदों में धुआंधर अर्धशतक जमा दिया।

पिछले कुछ महीनों में रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शतकों और रनों का पहाड़ खड़ा करने वाले करुण नायर ने इस फॉर्म को आईपीएल में बी जारी रखा।

आईपीएल 2022 में आखिरी बाद मैच खेलने वाले करुण नायर को दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा और इस दिग्गज बल्लेबाज ने आते ही चौके-छक्कों की बारिश कर डाली।

मुंबई इंडियंस से मिले 206 रन के जवाब में दिल्ली ने पहली गेंद पर ही ओपनर जेक-फ्रेजर मैक्गर्क का विकेट गंवा दिया था। इसके बाद दिल्ली के कोच ने करुण नायर को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा। पिछले 2 सीजन में नायर पहली बार बैटिंग के लिए उतर रहे थे और इस बल्लेबाज ने अपनी बेहतरीन फॉर्म का असर दिखाने में ज्यादा वक्त नहीं लगाया। नायर ने दूसरे ओवर में ट्रेंट बोल्ट पर 3 चौके जमा दिए। फिर चौथे ओवर में आए जसप्रीत बुमराह पर भी 2 चौके जमाकर नायर ने इरादे साफ कर दिए कि वो हर किसी को निशाना बनाएंगे।

लेकिन करुण नायर का सबसे विस्फोटक रूप दिखा छठे ओवर में जब उन्होंने जसप्रीत बुमराह की धज्जियां उड़ा दी। इस ओवर की पहली ही गेंद पर नायर ने शानदार छक्का जमा दिया। फिर तीसरी गेंद पर एक चौका भी नायर ने बटोर लिया। वो यहीं नहीं रुके और पांचवीं गेंद पर कवर्स के ऊपर से लाजवाब छक्का जड़कर सबके होश उड़ा दिए। शायद ही किसी ने सोचा होगा कि बुमराह की इस तरह पिटाई होगी।

इस ओवर की आखिरी गेंद पर 2 रन लेकर नायर ने सिर्फ 22 गेंदों में यादगार अर्धशतक पूरा कर लिया।

बाइक सवार बदमाशों ने किया हमला, रीवा के चाकघाट से प्रयागराज जा रहे थे

भाजपा नेताओं की कार पर फेंका बम, दो घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के बीजेपी नेताओं की कार पर यूपी में बम से हमला हुआ है। बाइक से आए नकाबपोश बदमाशों ने कार पर बम फेंका और फिर फरार हो गए। हमले में दो लोग घायल हो गए हैं।

ये घटना रविवार रात करीब 9 बजे की है। जिसका वीडियो सोमवार को सामने आया। चूंकि हमला बार्डर पर यूपी की सीमा में हुआ है, इसलिए पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। हमलावरों की तलाश जारी है। एमपी और यूपी पुलिस की संयुक्त टीम मामले की जांच में जुटी है।

शादी समारोह में जा रहे थे कार सवार भाजपा नेता: चाकघाट के रहने वाले भाजपा नेता वेद द्विवेदी (युवा मोर्चा के महामंत्री), शुभम केशरवानी (पूर्व पार्षद), रवि केशरवानी और राजमन केशरवानी कार से शादी समारोह में शामिल होने प्रयागराज जा रहे थे। तभी नारीबारी बैजनाथ लकड़ी टाल के पास बदमाशों ने उनकी कार पर हमला कर दिया।

बताया जा रहा है कि कार ड्राइवर पिन्टू केशरवानी को रास्ते से पिक करने के लिए गाड़ी जैसे ही रुकी, पीछे से आए बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने उन पर देसी बम से हमला कर दिया। हमले में वेद द्विवेदी और शुभम केशरवानी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज प्रयागराज में चल रहा है।

नेताओं के परिजन ने लगाई सुरक्षा की गुहार: इस मामले में घायल भाजपा नेताओं के परिजन सोमवार को रीवा के चाकघाट थाने पहुंचे। परिजन ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और उन पर सख्त कार्रवाई की मांग की। साथ ही सुरक्षा की भी गुहार लगाई।

भाजपा पदाधिकारी हैं घायल: पुलिस के मुताबिक, बाइक सवार नकाबपोश अज्ञात बदमाशों ने जिस वक्त घटना को अंजाम दिया, उस वक्त सभी चाकघाट निवासी रवि केशरवानी की क्रेटा कार में सवार थे। यह हमला क्यों हुआ, यह जानकारी अभी स्पष्ट नहीं हुई है।

एसीपी कुंजलता ने बताया कि कार सवार सभी युवक चाकघाट (रीवा) के निवासी हैं और प्रयागराज जा रहे थे। हमला गाड़ी ड्राइवर की ओर ज्यादा लक्षित था, लेकिन हमले का असली कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

चना, मसूर एवं सरसों की खरीदी हेतु खरीदी केन्द्र निर्धारित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसों उपार्जन हेतु रीवा जिले में तहसील स्तर पर 8 खरीदी केन्द्र एवं मऊगंज जिले में किसानों की सुविधा हेतु तहसील स्तर पर 3 खरीदी केन्द्र स्थापित किये गये है। खरीदी केन्द्रों पर किसान ई-उपार्जन पोर्टल पर ऑनलाइन स्लाट बुक कर अपनी फसल बिक्री कर सकते है। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास यूपी बागरी ने बताया कि चना, मसूर एवं सरसों का उपार्जन 31 मई तक किया जावेगा।

कन्या शिक्षा परिसर में प्रवेश के लिए आवेदन आज तक आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा शासकीय कन्या शिक्षा परिसर का संचालन किया जा रहा है। इसमें शिक्षा सत्र 2025-26 के लिए अनुसूचित जनजाति की छात्राओं को कक्षा सातवी और कक्षा नौंवी में प्रवेश का अवसर दिया रहा है। इसके लिए आवेदन 15 अप्रैल तक कार्यालयीन समय में कन्या शिक्षा परिसर में जमा किए जा सकते हैं। इस संबंध में प्राचार्य ने बताया कि अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के लिए कक्षा सात में 19 सीटें तथा कक्षा 9 में 16 सीटें रिक्त हैं। आवेदन पत्र के साथ जन्म प्रमाण पत्र, हितग्राही प्रोफाइल पंजीयन, समग्र आईडी, पासपोर्ट आकार की 6 फोटो तथा जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। आवेदन पत्र के साथ निवास प्रमाण पत्र एवं पिछली कक्षा की अंकसूची की छायाप्रति, आधार कार्ड, बैंक पासबुक के प्रथम पेज की छायाप्रति तथा अपार आईडी प्रस्तुत करना आवश्यक है। इसकी प्रवेश परीक्षा 16 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक कन्या शिक्षा परिसर रीवा में आयोजित की जाएगी। परीक्षा में मेरिट सूची के आधार पर छात्राओं को प्रवेश दिया जाएगा।

सदस्यता सूची के संबंध में दावे-आपत्ति 15 अप्रैल तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित नवीं बटालियन विशेष सशस्त्र बल रीवा के संचालक मण्डल के सदस्यों का चुनाव किया जाना है। इस संबंध में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने बताया कि संचालक मण्डल के सदस्यों के चुनाव के लिए समिति की सदस्यता सूची 7 अप्रैल को प्रकाशित कर दी गई है। सूची का प्रकाशन उप पंजीयक सहकारी समिति कार्यालय, जनपद पंचायत रीवा कार्यालय जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक कार्यालय तथा समिति के सूचना पटल पर कर दिया गया है। सूची के संबंध में दावे एवं आपत्तियाँ 15 अप्रैल तक समिति कार्यालय में लिखित में प्रस्तुत की जा सकती हैं। प्राप्त दावे-आपत्तियों का निराकरण 16 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से समिति कार्यालय में किया जाएगा। आपत्तियों के निराकरण के बाद सदस्यता सूची का अंतिम रूप से प्रकाशन किया जाएगा।

ससुर ने बहू से किया दुष्कर्म, मामला दर्ज, आरोपी फरार

घर में अकेली पाकर वारदात को अंजाम दिया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बैकुंठपुर थाना क्षेत्र में एक ससुर ने अपनी बहू के साथ दुष्कर्म किया। घटना 29 मार्च की है, लेकिन लोकलाज और पारीवार टूटने के डर से पीड़िता ने तुरंत पुलिस को सूचना नहीं दी। सोमवार रात को पीड़िता ने साहस जुटाकर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। बैकुंठपुर थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार, महिला का पति बाहर रहकर काम करता है और घटना के वक्त घर में मौजूद देवरानी भी अपने मायके गई हुई थी। इसी दौरान सगे ससुर ने महिला के साथ जबरदस्ती गलत काम किया।

पुलिस ने दर्ज किया मामला, आरोपी फरार: पुलिस ने तत्काल दुष्कर्म की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। सिरमौर SDOP उमेश प्रजापति ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है और पुलिस की टीम संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सेमरिया में अंबेडकर जयंती पर भेदभाव मिटाने का संकल्प, विधायक और पूर्व मंत्री ने दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर सोमवार को रीवा जिले में श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक समरसता का माहौल देखने को मिला। जिले भर में सुबह से ही रैलियां, माल्यार्पण और विचार गोष्ठियों का सिलसिला जारी रहा।

कलेक्ट्रेट परिसर में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि देने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। आमजन, सामाजिक कार्यकर्ता और अंबेडकरवादी संगठनों ने नीले झंडों से सजे वातावरण में बाबासाहेब के विचारों का प्रचार किया और समानता, न्याय और शिक्षा के मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

वहीं, सेमरिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बधरा में भी अंबेडकर जयंती पर भव्य आयोजन हुआ। यहां विधायक अभय मिश्रा और पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने ग्रामवासियों के साथ बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक अभय मिश्रा ने कहा, "बाबासाहेब अंबेडकर ने समानता और न्याय का जो संदेश दिया, वह आज भी हमें प्रेरित करता है। उनके संविधान ने भारत को एक मजबूत नींव दी, और हमें उनके दिखाए रास्ते पर चलकर समाज में भेदभाव को खत्म करना होगा।"

पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने भी बाबा साहब के संघर्षपूर्ण जीवन को प्रेरणास्रोत बताया और समाज के हर वर्ग को सम्मान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि अंबेडकर जी का जीवन संघर्ष और समर्पण की मिसाल है। हमें उनके आदर्शों को अपनाकर समाज के हर वर्ग को सम्मान और अवसर प्रदान करने के लिए काम करना चाहिए।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर तीन कैदी हुए रिहा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय समिति की अनुशंसा पर राज्य शासन से सजा में छूट प्राप्त कर केन्द्रीय जेल रीवा से परिरूद्ध आजीवन कारावास के तीन बंदी रिहा हुए। जेल अधीक्षक सतीश कुमार उपाध्याय द्वारा बंदियों को श्रीफल, रिहाई प्रमाण पत्र के साथ-साथ पारिश्रमिक राशि की बैंक पासबुक प्रदान कर जेल में प्राप्त स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण की विधा का उपयोग कर जीवन यापन करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

सरभंगा के जंगल में दिखा बाघ का शावक, राहगीरों ने बनाया वीडियो, करिया-बिछियन मार्ग पर झाड़ियों में छिपा था

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के मझगवां रेंज स्थित सरभंगा जंगल में रविवार रात एक टाइगर का शावक नजर आया। यह नजारा करिया-बिछियन मार्ग पर सामने आया, जहां एक राहगीर ने झाड़ियों में हलचल महसूस की और जब टॉर्च की रोशनी डाली, तो उसने शावक को खड़ा पाया। राहगीर ने इसे मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

झाड़ियों में छिपा था शावक: राहगीर अरुणेश सिंह ने बताया कि रविवार रात करीब 8.30 बजे वे मझगवां की ओर आ रहे थे, तभी झाड़ियों से हलचल की आवाज आई। जब उन्होंने टॉर्च से रोशनी की तो एक टाइगर का शावक झाड़ियों के पीछे खड़ा दिखाई दिया। रोशनी पड़ते ही वह कुछ देर वहीं रुका रहा और फिर घने जंगल की ओर चला गया। मझगवां रेंजर पंकज दुबे ने बताया कि वायरल हो रहा वीडियो सरभंगा क्षेत्र के करिया-बिछियन मार्ग का है। वन विभाग इस इलाके में पहले से सक्रिय है और वन्य प्राणियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

वन्य प्राणियों से गुलजार है सरभंगा का जंगल: सरभंगा के जंगल इन दिनों वन्य प्राणियों की लगातार मौजूदगी को लेकर चर्चा में हैं। यहां बाघ, तेंदुआ और हिरण जैसे वन्य प्राणी अक्सर देखे जा रहे हैं। राहगीर अब इस रूट पर चलते समय अलर्ट मोड में रहते हैं। वन विभाग भी इन गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए सतर्कता और निगरानी बढ़ा रहा है।

मैहर में अमिलिया खदान से 2 किमी पाइपलाइन बिछाई गई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर में नगर पालिका ने अमिलिया खदान से मैहर के फिल्टर प्लांट तक 2 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाकर पानी की आपूर्ति शुरू कर दी है। सोमवार से पानी लाने का कार्य विधिवत रूप से प्रारंभ हो गया है। इस कार्य के लिए 5 लाख रुपए का टेंडर जारी कर एक ठेका कंपनी को जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जिसने ट्रायल रन के दौरान मोटर के माध्यम से सफलतापूर्वक पानी पहुंचाया।

सीएमओ सुषमा मिश्रा के मुताबिक, अगले तीन महीनों तक पाइपलाइन की सुरक्षा और संधारण की जिम्मेदारी ठेकेदार की ही रहेगी। इसके लिए 6 चौकीदारों की नियुक्ति कर दी गई है ताकि किसी भी प्रकार की तकनीकी बाधा या छेड़छाड़ को रोका जा सके।

मैहर नगर में टमस नदी के सूख जाने और बोरिंग के जलस्तर गिरने से बीते एक महीने से पेयजल संकट गहराया हुआ था। ऐसे में अमिलिया खदान से पानी लाने का ही विकल्प बचा था, जिसे नगर पालिका ने अब मूर्त रूप दे दिया है।

रिश्वत की राशि कम, पटवारी बोला-इतने में काम नहीं चलेगा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में सोमवार को पटवारी का रिश्वत लेते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें पटवारी शिवेन्द्र सिंह किसानों से पट्टा बनाने के एवज में पैसे मांगते दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि वीडियो 5 दिन पुराना है।तहसीलदार कमलेश भदौरिया ने बताया कि वीडियो उनके संज्ञान में आज ही आया है। पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। अगर पटवारी दोषी हैं तो कार्रवाई की जाएगी।

पटवारी ने पट्टा बनाने मांगे 15 हजार: वीडियो में दिखाई दे रहा है कि कोठी तहसील के भंवर हल्का में तैनात पटवारी शिवेन्द्र सिंह गांव में एक घर के बाहर बैठे हैं। एक किसान आता है और पटवारी को 4 हजार रुपए देता है, पटवारी रुपए कम होने से लेने से मना कर देता है। वीडियो में दिख रहा है कि वह चार लोगों के पट्टे बनाने के लिए 15 हजार रुपए मांग रहे थे। उन्होंने यह रकम अपने मोबाइल पर लिखकर दिखाई। किसान ने 13 हजार रुपए दे दिए और बाकी रकम बाद में देने की बात कही।

वीडियो वायरल होने के बाद राजस्व विभाग में हलचल: पीड़ित किसान ने मामले का वीडियो पहले तहसीलदार को भेजा, लेकिन उन्होंने इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया। जिसके बाद किसान ने सोमवार को सोशल मीडिया में वीडियो वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद राजस्व विभाग में हलचल मच गई है।

5 दिन पुराना है वीडियो: भंवर गांव के लोगों ने बताया कि यह वीडियो करीब 5 दिन पुराना है। जिस पर राजस्व विभाग के कुछ अधिकारियों ने संज्ञान में आने के बाद भी पर्दा डाल रखा था। जिसके चलते पीड़ित किसान ने इसे सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। फिलहाल पटवारी का इस मामले में पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। उधर कोठी तहसीलदार कमलेश भदौरिया ने कहा कि यदि दोष सिद्ध होता है तो पटवारी पर कार्रवाई की जाएगी।

रीवा से इस बार 52 यात्री हज यात्रा पर जाएंगे

28 पुरुष और 24 महिलाएं शामिल, 12 साल से कम उम्र के बच्चे प्रतिबंधित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। इस साल रीवा से हज यात्रा पर जा रहे लोगों के पहले चरण की ट्रेनिंग का काम पूरा हो गया। सोमवार को लगन मैरिज गार्डन में वहीदुन् मेमोरियल ट्रस्ट के माध्यम से हज यात्रियों को ट्रेनिंग दी गई। जिसमे ट्रेनरों एवं जानकार हाजियों ने हज के दौरान पेश होने वाले अरकान और होने वाली दिक्कतों से बचने की जानकारी दी। रीवा जिले से इस बार 52 हज यात्री हज के लिए जा रहे हैं। जिनमें 28 पुरुष और 24 महिलाएं है। रीवा से इस बार महिला पुरुष को मिलाकर कुल 52 लोग हज के लिए रवाना होंगे। जिनकी फ्लाइट मई के प्रथम सप्ताह से मुंबई और भोपाल से रवाना होगी। बताया गया कि इस बार 12 साल के कम उम्र के बच्चों को हज यात्रा के प्रतिबंधित किया गया है।

अरकानो को प्रैक्टिकल तरीके से बताया: हाजी कलीम खान और हाजी इस्तियाक खान, अध्यक्ष हज कमेटी ने बताया कि ट्रेनर शरीफ खान और हज के जानकर हाजियों के द्वारा हाजियों को ट्रेनिंग दी गई है। इस दौरान उन्हें हज के दौरान होने वाले अरकानो को प्रैक्टिकल तरीके से बताया। साथ ही उन्हें ये भी बताया गया की किस दौरान कौन से अरकान करने है, साथ ही प्रोजेक्टर के माध्यम से उन्हें उन जगहों को भी दिखाया गया जहां पर अरकान पूरे करने हैं। जिससे किसी तरह की दिक्कतें भी न हो। साथ ही ट्रेनिंग के माध्यम से हज के दौरान किस तरह की दिक्कतें आ सकती है और उनसे किस तरह से बचा जाए इस बात की भी जानकारी भी दी गई।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।